page 1 and 8 Feb 28_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/28/2026 1:24 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 8वें वेतन आयोग से डीए मर्जर और अंतरिम राहत की मांग

5 जिम्बाब्वे पर मिली जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार बोले गेंदबाजी में और विलनिकल होना होगा

8 मुगल रोड यातायात के लिए फिर से खुला

न्यूनतम 12

मौसम जम्मू

अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-52 | जम्मू तवी, शनिवार 28 फरवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

लद्दाख स्काउट्स ने पैंगोंग फ्रोजन लेक मैराथन 2026 में शानदार किया प्रदर्शन

लद्दाख, 27 फ़रवरी । सेना के फायर एंड फ्यूरी कोर ने विश्व की सबसे ऊंची जमी हुई झील (लगभग 14,000 फीट) पैंगोंग त्सो में आयोजित चौथे पैंगोंग फ्रोजन लेक मैराथन 2026 में गर्वपूर्वक सहयोग किया। सहनशक्ति और दृढ़ संकल्प की इस सच्ची परीक्षा में 450 से अधिक धावकों ने शून्य से नीचे के तापमान, कम हवा और बर्फीले ट्रैक का सामना करते हुए 5 किमी से लेकर पूर्ण मैराथन तक की विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। फायर एंड फ्यूरी कोर के जीओसी और सभी रैंकों ने लद्दाख स्काउट्स के जवानों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

10 किमी मैराथन श्रेणी के विजेताओं में अग्निवीर महबूब अली (प्रथम), नायक रिनचेन गुरमेट (द्वितीय) और लांस नायक जिगमत स्टोबदान (तृतीय) शामिल हैं। 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में राइफलमैन त्सेतन नामग्याल (प्रथम), अग्निवीर ताशी नामग्याल (द्वितीय) और अग्निवीर सरफराज हुसैन (तृतीय) विजेता रहे।

42 किलोमीटर की फुल मैराथन में नायक त्सेरिंग नूरबू (प्रथम), अग्निवीर त्सेरिंग स्टोबगैस (द्वितीय) और राइफलमैन कादिम हुसैन (तृतीय) विजेता रहे। फॉरएवर इन ऑपरेशंस डिवीजन के टॉप गन धावकों को 5 किलोमीटर और 10 किलोमीटर की स्पर्धाओं में उनके शानदार सामूहिक प्रदर्शन के लिए भी सराहा गया।

युवाओं में समाज और राष्ट्र को भविष्य की ओर ले जाने की असीम शक्ति है: उपराज्यपाल

जम्मू, 27 फ़रवरी । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि युवाओं में समाज और राष्ट्र को भविष्य की ओर ले जाने की असीम क्षमता है। उन्होंने सतत विकास के लिए संतुलित मानसिकता और साहसी नवप्रवर्तकों को तैयार करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा, सशक्त युवा ही भविष्य का निर्माण करते हैं और मेरा मानना है कि बौद्धिक गहराई, रचनात्मक शक्ति और नवोन्मेषी युवा नेतृत्व राष्ट्रीय प्रगति के लिए आवश्यक हैं। उपराज्यपाल जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अनूठे युवा महोत्सव 'गूंज 2026' के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। दो दिवसीय यह आयोजन विभिन्न

क्षेत्रों के युवाओं को एक भविष्य के निर्माण के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान करेगा। यह महोत्सव मन को शिक्षित करेगा, शरीर को ऊर्जावान बनाएगा और नवाचार को प्रज्वलित करेगा।उपराज्यपाल ने कहा कि जब युवा अपने भीतर साहस की लौ प्रज्वलित करते हैं और अटूट विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं, तभी समाज और राष्ट्र के लिए नए रास्ते खुलते हैं। उन्होंने छात्रों से नवाचार को अपनाने, नए शोध करने, साहसिक प्रयोग करने और राष्ट्र निर्माण के द्वार खोलने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने कहा, अपनी परंपराओं का सम्मान करें, अपने अतीत का आदर करें और अपनी जड़ों से जुड़ें। इससे पहचान, आत्मविश्वास और आत्म-जागरूकता की गहरी भावना विकसित होगी, जिसे कोई भी कक्षा पूरी तरह से नहीं सिखा सकती। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है बल्कि ऐसे प्रबुद्ध नागरिकों का निर्माण करना है जो अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील हों। उपराज्यपाल ने कहा, सच्ची शिक्षा युवाओं को ऐसे नए उत्तर और समाधान खोजने के लिए तैयार करती है जिनकी दुनिया ने अभी तक कल्पना भी नहीं की है। छात्र केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए ही कैंपस में प्रवेश नहीं करते बल्कि संस्कृति का पोषण करने, नए विचारों का अन्वेषण करने, साहसिक मार्ग चुनने और साहसपूर्वक सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए प्रवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस गति से दुनिया बदल रही है वह लगभग समझ से परे है और तकनीकी विस्फोट ने चुपचाप शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों दोनों को समान रूप से बदल दिया है।

राष्ट्रीय बजट अल्पकालिक व्यापार दस्तावेज नहीं, नीतिगत रोडमैप : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 27 फरवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बजट का आकलन उसके प्रत्यक्ष लाभ या प्रभाव से नहीं बल्कि इसमें निहित नीतिगत प्रयासों से होना चाहिए। असल में राष्ट्रीय बजट कोई अल्पकालिक व्यापार दस्तावेज़ नहीं होता है। यह एक नीतिगत रोडमैप होता है। ऐसे में बजट की प्रभावशीलता का आंकलन ठोस पैरामीटर्स पर किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री आज वीडियो कांफ्रेंसिंग से बजट बाद वेबिनार-विकसित भारत के लिए टेक्नोलॉजी, सुधार और फाइनेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट को ढांचागत सुविधाओं के विस्तार, धन प्रवाह, जीवन जीने में आसानी, पारदर्शिता के साथ शासन और लोगों

के लिए नए-नए अवसर बनाने की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश रिफोर्म एक्सप्रेस पर सवार है। इस प्रवाह को बनाए रखने के लिए हमें नीतिगत मंशा और उससे हासिल उपलब्धि पर भी फोकस करना है।

उन्होंने कहा कि हमें एआई, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स का व्यापक उपयोग कर पारदर्शिता, गति और जवाबदेही बढ़ानी ही होगी और साथ ही शिकायत निवारण प्रणालियों से प्रभाव की निरंतर निगरानी भी करनी होगी। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को सरकार के ढांचागत सुविधाओं में निवेश का लभा उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में ढांचागत सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट 2 लाख करोड़ से बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया है। इतने बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश निजी क्षेत्र के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है कि उद्योग और वित्तीय संस्थान भी नई ऊर्जा के साथ आगे आएं। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि परियोजनाओं की मंजूरी और मूल्यांकन प्रक्रिया को मजबूत करना जरूरी है, ताकि समय और पैसा बर्बाद न हो। लागत-लाभ और पूरी अवधि की लागत पर ध्यान देना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर वर्षभर का वैश्विक पर्यटन केंद्र बनने को तैयार : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली, 27 फरवरी। मुख्यमंत्री Omar Abdullah ने कहा कि जम्मू-कश्मीर नव-विश्वास, विस्तारित अवसंरचना और विविध पर्यटन विकल्पों के बल पर वर्षभर का वैश्विक पर्यटन गंतव्य बनने की दिशा में अग्रसर है।

वह गुरुवार शाम नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य प्रचार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसमें केंद्रीय पर्यटन मंत्री Gajendra Singh Shekhawat, विभिन्न देशों के राजनयिक, ट्रैवल ट्रेड प्रतिनिधि और आतिथ्य क्षेत्र के प्रमुख हितधारक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर की आध्यात्मिक समृद्धि, मनमोहक प्राकृतिक दृश्यावली और जीवंत सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करते हुए कहा कि यह प्रदेश देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों का खुले दिल से स्वागत करता है। उन्होंने बताया कि सरकार पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर नए क्षेत्रों को पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने नए पर्यटन सर्किट विकसित करने और नौ उभरते गंतव्यों की पहचान करने की घोषणा की, ताकि यात्रियों को नए और विविध अनुभव मिल सकें। पिछले वर्ष की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने उन अनुभवों से महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा, ₹पिछले वर्ष जो हुआ, उससे हमने सीख ली है। जिन बंद स्थलों को खोलने में हमें समय लगा, वह इस बात का संकेत है कि हमने आवश्यक सबक ग्रहण किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब सरकार का ध्यान भविष्य पर केंद्रित है और एक अधिक सुदृढ़ एवं उत्तरदायी पर्यटन तंत्र के निर्माण पर है। यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर टूरिज्म फोरम द्वारा प्रसिद्ध होटल व्यवसायी मुश्ताक चाया के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

सभी मिनरल डीलर लाइसेंस रद्द; बिना जीपीएस कोई वाहन क्रशर पर संचालित नहीं होगा : उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 27 फरवरी। उपमुख्यमंत्री Surinder Chowdhary ने शुक्रवार को सभी मिनरल डीलर लाइसेंस रद्द करने की घोषणा की और कहा कि जम्मू-कश्मीर में अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने खनिजों के अवैध दोहन और प्राकृतिक जल स्रोतों के मोड़ने के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाया है। खुण्डवाल के अपने हालिया दौरे का उल्लेख करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि खनन गतिविधियों के कारण गंभीर पर्यावरणीय क्षति हुई है, जिसमें एक बांध का रुख मोड़ दिया गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई।उन्होंने कहा कि बेलिचराना और खुण्डवाल जैसे क्षेत्रों की स्थिति चिंताजनक है और चेतावनी दी कि यदि अवैध खनन तुरंत नहीं रोका गया, तो चक्की और उसके आसपास के इलाकों सहित कई निचले क्षेत्र भारी तबाही का सामना कर सकते हैं। चौधरी ने कहा कि उन्होंने निर्देश दिए हैं कि खनन विभाग की अधिकृत प्रणाली के तहत जारी वैध ₹परची₹ के बिना किसी भी क्रशर यूनिट से कोई वाहन बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना उचित दस्तावेज के खनिजों का परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने आगे बताया कि क्रशर

इकाइयों पर संचालित या खनन गतिविधियों में लगे सभी वाहनों, जिनमें डंपर भी शामिल हैं, में जीपीएस उपकरण लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा, जीपीएस ट्रैकिंग के बिना किसी भी वाहन को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने खनन क्षेत्र में सुधार लागू किए हैं, जिनमें वाहनों की आवाजाही पर नजर रखने और अधिकृत खनन की पुष्टि के लिए सैटेलाइट निगरानी भी शामिल है। यह प्रणाली उल्लंघनों की पहचान करने और दुरुपयोग रोकने में सहायक होगी। चौधरी ने यह भी कहा कि सभी मिनरल डीलर लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए हैं, क्योंकि पूर्व व्यवस्था के तहत खनिजों के अवैध निस्तारण को बढ़ावा मिल रहा था।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौते से वस्त्र उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा: राधाकृष्णन

नई दिल्ली, 27 फरवरी । उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौता वस्त्र उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा। सीपी राधाकृष्णन ने यह बात आज तमिलनाडु के सलेम स्थित भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) के नवनिर्मित शैक्षणिक भवन का उद्घाटन के अवसर पर कही। इस अवसर पर उन्होंने भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत को तकनीक के साथ जोड़ने और इसे भविष्य के लिए तैयार एक रचनात्मक उद्योग बनाने पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने हथकरघा को भविष्य के लिए तैयार रचनात्मक उद्योग में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि आईआईएचटी सलेम स्वदेशी शिल्प कौशल और आधुनिक वस्त्र विज्ञान के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है।

सरकार ने एचएस सुंगल हेडमास्टर के खिलाफ जांच अधिकारी किया नियुक्त

जम्मू, 26 फरवरी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने एचएस सुंगल के हेडमास्टर और अखनूर के गवर्नमेंट हाई स्कूल सुंगल के तत्कालीन हेडमास्टर कमल जीत के खिलाफ कदाचार के आरोपों की जांच के लिए एक जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

सरकारी आदेश के अनुसार, जम्मू/सांबा/कठुआ रेंज के स्कूल शिक्षा के संयुक्त निदेशक गुरदेव कुमार को अधिकारी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए नामित किया गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू मामले में प्रस्तुतीकरण अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

जांच अधिकारी को आदेश जारी होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर सिफारिशों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

अश्विनी कुमार ने पीडीडी की अवसंरचना और कार्यप्रणाली की समीक्षा की

जम्मू, 27 फरवरी। पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (पीडीडी) के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) Ashwani Kumar ने हाल ही में विभाग का कार्यभार संभालने के बाद सभी क्षेत्रों की विस्तृत समीक्षा करते हुए बैठकों की श्रृंखला आयोजित की।

उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ विस्तृत संवाद कर बिजली क्षेत्र की अवसंरचना स्थिति और परिचालन प्रदर्शन का जायजा लिया। बैठकों में सभी निगमों के प्रबंध निदेशक, निदेशक वित्त, निदेशक योजना, मुख्य अभियंता, मुख्य विद्युत निरीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बिजली आपूर्ति के संबंध में बताया गया कि विभाग ने चालू शीतकालीन सत्र के दौरान 3350 मेगावाट की अधिकतम मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है।

औसतन 2600 मेगावाट की मांग भी निरंतर पूरी की जा रही है। एसीएस को जम्मू-कश्मीर को विभिन्न स्रोतों से मिलने वाली बिजली की जानकारी दी गई। उन्होंने इफ्तार और सेहरी के दौरान नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया तथा अनियोजित कटौती से बचने के निर्देश दिए। उन्होंने सुदृढ़ लोड मॉनिटरिंग तंत्र स्थापित करने, ऊर्जा हानियों में कमी लाने और उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करने पर बल दिया।

दर्द से निपटने के आसान व असरकारी उपाय

सोच के साथ बदल सकता है हर तरह का दर्द

आप जितना अधिक अपने दर्द के बारे में सोचेंगे दर्द उतनी अधिक शिद्दत से महसूस होगा और आप इससे अधिक परेशान होंगे। अपने नजरिए में थोड़ा-सा सकारात्मक बदलाव लाकर आप दर्द के अहसास को निश्चित रूप से कम कर सकते हैं। कुछ विशेष तकनीकें भी अपनाई जा सकती हैं जैसे- ध्यान, मेडिटेशन, लॉफ्टर थेरेपी, सम्मोहन चिकित्सा आदि।

इन तकनीकों से दर्द के प्रति सोच व प्रतिक्रिया में निश्चित रूप से एक सकारात्मक बदलाव आता है और इसकी तीव्रता कम होती है।

कल्पनाशीलता का उपयोग करें

कल्पनाशीलता के सावधानीपूर्वक उपयोग से व्यक्ति में कई फायदेमंद शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक परिवर्तन लाए जा सकते हैं। इसमें व्यक्ति को ऐसे स्थान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जाता है, जहां दर्द न हो यानी दर्द से ध्यान हटाकर कहीं और लगाने की कोशिश की जाती है।

सोचने का तरीका बदलें

किसी खास स्थिति को लेकर आपके सोचने और रिएक्ट करने का ढंग आपके लिए उस स्थिति को बेहतर या बदतर बनाता है। यदि आप सोचेंगे कि मैं दर्द से बेहाल हूं, मेरा दर्द लगातार बढ़ता जा रहा है तो दर्द भी आपको पूरे दम-खम के साथ सालता रहता है। इसके विपरीत यदि आप सोचें कि गहरी-गहरी सांसे लेने से मेरा दर्द कम होगा और गहरी सांसें लेने लगें तो धीरे-धीरे दर्द के अहसास और तीव्रता में निश्चित तौर पर कमी आएगी।

वैज्ञानिक अनुसंधानों ने भी इस बात को साबित किया है कि यदि आप अपने मस्तिष्क को दर्द के प्रति अलग ढंग से प्रतिक्रिया करने की ट्रेनिंग देते हैं और सकारात्मक सोच विकसित करते हैं तो दर्द के प्रभाव निश्चित रूप से घट जाते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि केवल 9 घंटे मस्तिष्क की इस प्रकार की ट्रेनिंग (कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी) से पुराने पीठ दर्द और अकड़न में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

- अपने दर्द को किसी ऐसी मशीन पर केंद्रित करने की कोशिश करें जिसे आप नियंत्रित कर सकते हों। अब आप उस मशीन की गति को कम करने की कल्पना करें। इससे दर्द की अनुभूति कम हो जाएगी।
- वर्ग पहेली, सुडोकू जैसे ध्यान बंटाने वाले खेल खेलें।
- कोई रोचक किताब पढ़ें।
- अपने परिवार व मित्रों के साथ समय बिताएं। इससे आपका ध्यान दर्द से हट जाएगा।

हो सकता है कि शुरुआत में ये उपाय करना मुश्किल लगें या ऐसा लगे कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला, लेकिन हार न मानें। कभी-कभी दर्द से ध्यान हटाना मुश्किल हो जाता है और अगर आप इस बारे में सोचना बंद ही नहीं करेंगे तो कोई उपाय या तकनीक काम नहीं कर पाएगी।

सम्मोहन चिकित्सा

कभी-कभी सम्मोहन चिकित्सा का इस्तेमाल दर्द से ध्यान हटाने के लिए भी किया जाता है। व्यक्ति को सम्मोहन की अवस्था में लाकर उसे सकारात्मक सुझाव दिए जाते हैं। दर्द से निपटने के तरीकों को उसकी मनोचेतना में डाला जाता है ताकि सम्मोहन से बाहर आकर भी व्यक्ति दर्द के प्रभाव को कम महसूस करे।

ध्यान व योग द्वारा भी दर्द से ध्यान हटाया जा सकता है। स्वयं को सुझाव देना (ऑटो सजेशन थेरेपी) भी कारगर होती है।

जलेबी के शौकीन हैं तो हो जाएं सावधान

जलेबी की मिठास के शौकीन हैं और इसे देखकर अगर आप अपने मन पर काबू नहीं रख पाते हैं तो हाल में हुए शोध से मिली जानकारी आपके लिए ही है।

हफिंगटनपोस्ट वेबसाइट पर प्रकाशित सर्वेक्षण में जलेबी को दुनिया के सबसे नुकसानदायक व मोटापा बढ़ाने वाले व्यंजनों में से एक माना गया है।

जलेबी में है खूब सारी कैलोरी

शोधकर्ताओं ने जलेबी में मौजूद कैलोरी और चासनी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना है।

एक जलेबी में 143 कैलोरी होती है और एक जलेबी में भला किसका मन भरता है। ऐसे में अगर आप 100 ग्राम जलेबी भी एक बार में खाते हैं तो जरा सोचें कि आप कितनी कैलोरी बढ़ाते हैं।

और भी कई व्यंजन

सेहत के लिए सबसे नुकसानदायक व्यंजनों में एकमात्र भारतीय व्यंजन जलेबी ही माना गया है। इसके अलावा, इटली का कैलज़ोन पिज्जा, ब्राजील का एक्रेजे, स्पेन का चूरोस,जॉर्जिया का खाचापुरी, फ्रांस का न्यूटेला क्रेप्स, स्कॉटलैंड के डीप फअराइड मार्स बार और जापान का रामेन सबसे नुकसानदायरक व्यंजनों की सूची में शामिल हैं।

गर्मियों में करें पौष्टिक और हल्का-फुल्का नाश्ता

किसी के लिए स्नैकिंग सिर्फ भूख मिटाने का एक जरिया भर है तो किसी के लिए टाइम पास का जरिया। जो लोग लगातार 9-10 घंटे काम करते हैं, उनके लिए तो स्नैकिंग मजबूरी है, क्योंकि खाने में ज्यादा अंतराल आ जाए तो स्नैकिंग करना जरूरत बन जाती है।

स्नैकिंग का कारण जो भी हो, लेकिन आप हमेशा चाहेंगे कि वही खाया जाए जो सेहतमंद हो और एनर्जी दे और साथ ही साथ कम से कम वसायुक्त हो। मुश्किल यह है कि स्नैक्स के ऐसे विकल्प बाजार में नाममात्र ही हैं, जो इन सभी जरूरतों को पूरा करें।हम संकल्प तो लेते हैं कि कोई भी प्रकार का नाश्ता नहीं खाएंगे, लेकिन जैसे ही हाथ में मनपसंद स्नैक्स आ जाते हैं तो आप खुद को रोक नहीं पाते। फिर चाहे बाद में कैलोरी बढ़ने से होने वाले नुकसान के बारे में सोचकर परेशान होते रहें।

बाजार में उपलब्ध ज्यादातर नाश्ते शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले होते हैं। स्नैक्स में ढेर सारी कैलोरी, वसा, चीनी और नमक आदि का स्वाद चाहे उस वक्त जुबान को मजेदार लगे, लेकिन यही चीजें शरीर में कोलेट्रॉल का स्तर बढ़ा देती है। इससे उच्च रक्तचाप या मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा भी होता है। इतने नुकसान जानकर यही लगता है कि नाश्ता करते रहना सेहत को नुकसान पहुंचाएगा, लेकिन लंबे समय तक भूखे रहना भी नुकसानकारी होता है। इसलिए जरूरत पड़ने पर स्नैक्स खाएं, लेकिन ये ध्यान रखें कि केवल पौष्टिक विकल्प ही अपनाएं।

स्नैकिंग के विकल्प

सेहतमंद नाश्ते वही होते है जिनमें कैलोरी बहुत कम हो इसलिए तले हुये स्नैक्स की बजाय सिके या भुने हुए स्नैक ही खाना चाहिये। मल्टीग्रेन या फ्लैक्स सीड से बनें स्नैक्स चुनें। फ्लैक्ससीड में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है जो त्वचा और दिल को सेहतमंद रखने में सहायक है। इसी तरह से मल्टीग्रेन भी फाइबर का अच्छा स्त्रोत है जो कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है। मल्टीग्रेन स्नैक्स एक अच्छा विकल्प है क्योंकि इससे अनाज के सारे पोषण मिल जाते है। बाज़ार से स्नैक खरीदने के बजाय घर में स्नैक्स तैयार करके रख लें। सिके परमल, भुने चने, धानी सिके पोहे आदि में नमक मसाले आदि मिलाकर बघार लें। अपने साथ एक सेवफल या अंगूर आदि फल भी रख सकते हैं।

फायदे

डायटीशियन हमेशा खाने के बीच के अंतराल में स्नैक्स खाने पर ज़ोर देते हैं। स्नेक्स में फल, सब्जियां, मल्टीग्रेन, कम वसा के स्नैक्स को शामिल करना चाहिए। इसके अलावा जो पोषक तत्व खाने में नहीं ले पाते वो सेहतमंद स्नैक्स खाने से मिल जाते हैं, जो वसा में सुधार करके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं।

स्वस्थ जीवन के 4 आधार

सही निदान, समय पर शुरू किया गया इलाज और प्रभावी दवा किसी भी बीमारी से उबरने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन मानव शरीर मशीन नहीं होता और बीमारी के ठीक होने की प्रक्रिया हर किसी में अलग-अलग तरह से होती है। आपकी शारीरिक अवस्था, रोग प्रतिरोधक क्षमता और इच्छशक्ति भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। पेश है सेहतमंद जीवन के चार अहम आधार

आहार से बने शरीर – स्वास्थ्यवर्धक आहार बीमारियों से बचाव का कारगर उपाय है। कैंसर के एक तिहाई मामलों में कहीं न कहीं पोषण की कमी ज़िम्मेदार होता है। रोगाणुओं का आक्रमण होने पर शरीर इससे किस तरह उबरता है, यह आपके आहार पर काफी निर्भर होता है। शरीर को सभी पोषक तत्व मिलने से रोग प्रतिरोधक प्रणाली बेहतर ढंग से कार्य करेगी।

अच्छे खानपान से स्फूर्ति बनी रहती है। पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों मिलते रहें तो कोशिकाओं का पुनर्जीवन और ऊतकों की मरम्मत आसानी से होती है। दूसरी ओर शरीर में इनकी कमी हो तो यह काम मुश्किल हो जाता है और बीमारी से उबरने के लिए शरीर को मशक्कत करनी पड़ती है या वो यह काम ठीक से कर ही नहीं पाता। नतीजा बीमारी के रूप में सामने आता है।

कसरत बनाए ताकतवर – अधिकतर बीमारियों से उबरने के लिए आराम जरूरी होता है। लेकिन आराम करके कुछ ठीक होने के बाद शारीरिक गतिविधि फिर से शुरू करना भी उतना ही जरूरी है। इससे मांसपेशियां तो मजबूत होंगी ही, मनोबल भी बढ़ेगा।

व्यायाम करने के लिए ज़रूरी नहीं कि जिम या हेल्थ क्लब जॉइन किया जाए, पैदल चलना या घर के काम करना भी उतना ही फायदेमंद होता है। हर हफ्ते कम से कम पांच दिन तीस मिनटों के लिए कोई ऐसा काम या गतिविधि करें जिससे आपको थोड़ी थकान महसूस हो।

सुखद-सुहानी नींद – आपने कभी ध्यान दिया होगा कि जब थके होने पर आप संक्रमण के कब्जे में जल्दी आते हैं। अमेरिका स्थित कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के एक शोध से पता चला कि व्यक्ति जितनी कम नींद लेगा, सर्दी-ज़ुकाम की चपेट में उतना ही आसानी से आ जाएगा।

ऐसा इसलिए हो सकता है कि नींद की कमी से रोग प्रतिरोधक प्रणाली प्रभावित होती है और इसकी संक्रमण से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

हमारे शरीर को चलायमान और स्वस्थ रखने के लिए निरंतर कई तंत्र काम करते रहते हैं। इन प्रक्रियाओं के दौरान छोटी-मोटी टूट-फूट भी होती हैं। इस तरह की मरम्मत का काम शरीर तब करता है तब हम आराम करते हैं। जब हम सो रहे होते हैं तो अन्य प्रणालियों का काम धीमा हो जाता है इसलिए शरीर इससे बची ऊर्जा को मरम्मत के लिए इस्तेमाल करता है।

यह तो स्वस्थ शरीर की बात हुई। बीमारी या चोट के कारण शरीर में हुई क्षतिपूर्ति के लिए अधिक आराम की आवश्यकता होती है।बढ़िया नींद मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। नींद पूरी न होने पर आप शारीरिक और मानसिक तौर पर उतना अच्छा महसूस नहीं करते हैं। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं हो पाती उन्हें दर्द का एहसास अधिक होता है और उन्हें बीमारी से उबरने के लिए समय भी अधिक लगता है।

सकारात्मक सोच – किसी भी बीमारी से उबरने में सकारात्मक सोच का बड़ा महत्व है। सकारात्मक सोच का बड़ा फायदा तब मिलता है जब दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवनशैली में कोई बड़ा परिवर्तन घटित होता है। इस सब के अलावा आप इस परिवर्तन से क्या और कितनी उम्मीदें लगा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर यदि आप उच्च रक्तचाप से छुटकारा पाने के लिए जीवनशैली में परिवर्तन कर रहे हैं, और खानपान पर सख्त नियंत्रण साध रहे हैं तब तो आप यह उम्मीद भी करें क्योंकि इससे आपका वजन भी कम होगा। मोटापे से मुक्ति मिलने के साथ ही आप कई रोगों के जोखिम से भी दूर हो जाएंगे।

शोधों से पता चला है कि जीवन के प्रति सकारात्मक सोच से स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है। न्यूयॉर्क में हुए इस शोध अध्ययन के मुताबिक जो लोग खुशहाल जिंदगी जीते हैं उन्हें दिल के दौरे का जोखिम भी कम रहता है। यद्यपि इसकी पुख्ता वजह नहीं मालूम हो सकी है लेकिन संभवतः खुश रहने वाले लोग जीवन के तनाव को दूसरों की अपेक्षा ज्यादा अच्छे से झेल पाते हैं।

इसी कारण अतिरिक्त तनाव का बुरा असर शरीर पर नहीं हो पाता। इसके विपरीत जो लोग जीवन से निराश रहते हैं और आपने बुरे हाल के लिए बाहरी दुनिया को लगातार कोसते रहते हैं उनकी सेहत भी खराब रहती है।

एग्जैम में न करें आंखो को अनदेखा

आम तौर पर एग्जैम की डेट नजदीक आते ही लोग किताबों से चिपक जाते हैं। अच्छे रिजल्ट के लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। फिर चाहे रात हो या दिन, लगातार उनकी आंखें किताबों के सामने होती हैं। लगातार पढ़ाई करने में सबसे अधिक दिमाग व आंखों का इस्तेमाल होता है। दिमाग की सेहत के लिए तो लोग न्यूट्रिशनल डाइट लेते हैं, पर आंखों की सेहत को नजर अंदाज कर देते हैं। डीडी के साथ जानते हैं एग्जैम के दौरान कैसे करें

आंखों की देखभाल

घंटों पढ़ते रहने से आंखों पर बुरा असर पड़ता है। फोर्टिस हेल्थकेयर के ऑप्थेल्मोलॉजी विभाग के डॉ. संजय धवन बताते हैं कि एग्जैम के समय में बच्चे लगातार कई घंटों तक पढ़ते हैं, जिसके चलते उन्हें मायोपिया या कम दूरी की वस्तुओं को देखने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, क्योंकि बहुत पास की वस्तुओं को ध्यान से देखने से आंखों के लेंस के आकार को नियंत्रित करने वाली मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं।

लगातार सिकुड़न आइबॉल को फैला देती है, जिसके चलते आइबॉल का आकार बदल जाता है।

पड़ता है दबाव

अधिकतर मामलों में स्टूडेंट अपनी पढ़ाई में इतना अधिक मशगूल हो जाते हैं कि उन्हें दिन के उजाले के धुंधले होने का पता भी नहीं चलता। इस कारण सिरदर्द, आइबॉल में जलन पीठ और गर्दन में दर्द की समस्या भी घेर लेती है। लगातार एक ही जगह पर ध्यान केंद्रित करने पर पलकें झपक नहीं पातीं। ऐसे में आंखों में सूखापन महसूस होता है, क्योंकि ब्रेन को ऑक्सीजन व ब्लड सर्कुलेशन ठीक करने के लिए कुछ समय चाहिए होता है।

तय करें पढ़ने का समय

स्वस्थ दिमाग और आंखों के लिए पढ़ाई का समय सीमित होना जरूरी है। मध्यरात्रि तक पढ़ना आंखों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। कम रोशनी में शब्दों को पेज पर देखने में मशक्कत करनी पड़ती है और लंबे समय तक यह दबाव बने रहने से मायोपिया की समस्या पैदा हो सकती है।

ब्रेक है जरूरी

पढ़ते समय कुछ मिनट ब्रेक लें और ध्यान हटाने के लिए एक्सरसाइज करें- अपना ध्यान आसपास की वस्तुओं से हटा कर दस फीट दूर की चीजों पर फोकस करें। इसके अलावा अपनी कोहनी को डेस्क पर रखें और हथेलियों को उपर की ओर रखें। अपने वजन को आगे की ओर आने दें और सिर को हाथों पर ऐसे टिकाएं कि आपके हाथ आंखों को कवर कर लें। आंखें बंद कर लें और गहरी सांस लें। चार सेकंड रुकें। फिर सांस छोड़ें। इस तरह गहरी सांस लेना 8-10 सेकंड तक जारी रखें। ऐसा दिन में कई बार करें।

ध्यान रखें

- स्टडी रूम की लाइट ऐसी होनी चाहिए जो आंखों को चुभे नहीं और देखने में कोई दिक्कत भी न हो। लाइट पीछे से नहीं सामने से आनी जरूरी है।
- जब पढ़ने से थकान महसूस करने लगें तो कुछ देर के लिए आंखें बंद कर लें।
- एक कप ब्लैक/ ग्रीन टी लें।
- रोजाना एक से दो बार पलकों के ऊपर,भौहों के आसपास की मांसपेशियों और माथे पर हलके हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें।
- गैस्ट्रोइंट्रालॉजिस्ट डा. दीप गोयल के मुताबिक ज्यादातर स्टूडेंट्स न्यूट्रिएंट डाइट के बजाय पिज्जा व बर्गर आदि जंक फूड खाना पसंद करते हैं। लेकिन इनसे बॉडी में जरूरी न्यूट्रिएंट तत्वों की कमी हो जाती है। इसलिए परीक्षा के दौरान इन सभी चीजों से परहेज करना जरूरी है। आयरन, कैल्शियम, जिंक युक्त पौष्टिक भोजन ही फायदेमंद होता है। ये सभी आंखों की सेहतके लिहाज से बेहतर होते हैं।
- दिन की शुरुआत हेल्दी ब्रेकफास्ट से करें। जिसमें अंडा, पोहा, ओट्स, उपमा, इडली व खिचड़ी आदि हों। जिनमें लिसेमिक की मात्रा कम हो और शरीर को प्याप्त ग्लूकोस मिले।
- बादाम, सेब, अंगूर, संतरा, अंजीर, अखरोट, किशमिश, सोयाबीन व मछली आंखों के लिए अच्छे होते हैं। स्टार्च वाली सब्जियां जैसे आलू, अरबी से बचें।

क्या करें जब बच्चे की नाक से निकले खून?

गर्मियों के मौसम में वयस्कों की तुलना में बच्चों की नाक से खून आने (नकसीर फूटने) के मामले कुछ ज्यादा ही बढ़ जाते हैं।

आम तौर पर बच्चों की नाक से खून आने के मामले नुकसानरहित होते हैं और कुछ समय बाद खून बहना स्वयं बंद हो जाता है। अधिकांश मामलों में यह समस्या बिल्कुल भी जानलेवा नहीं होती, लेकिन मां-बाप को चिंता हो ही जाती है। 9 प्रतिशत बच्चों में नकसीर फूटने के मामले बार-बार सामने आते हैं, इसका प्रमुख कारण नाक की बीच वाली हड्डी के सामने वाले भाग में रक्त की जो छोटी -छोटी नलिकाएं (ब्लड वेसेल्स) होती हैं, उन नलिकाओं में गर्मी के कारण शुष्कता (ड्राईनेस) आ जाती है।

प्राथमिक कारण

- नाक में उंगली डालने के कारण नाखून लगने से।
- गर्म मौसम के चलते नाक में मौजूद श्लेष्मा झिल्ली का सूख जाना।
- नाक में किसी बाहरी वस्तु का प्रवेश करना।

इस समस्या के कुछ कारण ऐसे भी होते हैं, जो बहुत सामान्य नहीं होते। जैसे..

- लिवर की बीमारी। इस कारण रक्त में थक्का बनाने वाले कारकों में कमी आ जाती है।
- वंशानुगत हैमोरेजिक टेलेनजीएकटेसिस नामक रोग के कारण भी नकसीर की समस्या पैदा हो सकती है।

उपचार

बच्चों में नकसीर फूटने के ज्यादातर मामले सामान्य होते हैं और किसी हस्तक्षेप के बगैर स्वयं ठीक हो जाते हैं। जब किसी बच्चे में यह समस्या देखने में आए, तो उपचार के बुनियादी पहलू का इस आधार पर आकलन किया जाता है कितना खून बह गया है।

बच्चे की नाक के रक्तस्राव को रोकने के लिए इस विधि पर अमल करें। पीड़ित बच्चे को बिठाकर थोड़ा आगे झुकाएं और घड़ी देखकर पांच मिनट के लिए हल्के से उसकी नाक दबाएं और साथ में बर्फ का इस्तेमाल भी करें। इसके साथ ही बच्चे की नाक से खून बहना 95 प्रतिशत रुक जाता है। खून बहने को रोकने के इस सरल उपाय के बाद बच्चा नियमित गतिविधियों को फिर से शुरू कर सकता है। अगर सीधे तौर पर दबाव देने के बाद भी नाक से खून बहना नहीं रुके, तो पीड़ित बच्चे को शीघ्र अस्पताल भेजना चाहिए। ऐसे रोगियों को चिकित्सकीय मदद की भी आवश्यकता होती है। नैजल पैक भी नाक में डालना पड़ सकता है। यहां तक की एंडोस्कोपिक आर्टरी लाइगेशन तकनीक की भी जरूरत पड़ सकती है।

जॉगिंग अधिक करने का भी हो सकता है नुकसान!

फिटनेस बरकरार रखने के लिए अगर आप मीलों जॉगिंग करना ही सेहतमंद तरीका मानते हैं तो इस गफलत से बाहर निकलें, दूसरा भी पहलू है।

अमेरिका के कार्डियोवास्कुलर रिसर्च इंस्टिट्यूट के शोध की मानें तो बहुत अधिक जॉगिंग करने से जल्दी मृत्यु का रिस्क बढ़ जाता है।

साथ ही, शोधकर्ताओं ने इस शोध में यह भी माना है कि हफ्ते में दो से तीन घंटे जॉगिंग करने वाले लोगों का जीवनसेहतमंद होता है और उनकी उम्र लंबी होती है।

शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में 3,800 जॉगिंग करने वाले प्रतिबागियों को शामिल किया है। उन्होंने पाया कि औसतन 20 मील हफ्ते में दौड़ने वाले महिलाओं और पुरुषों में से 70 प्रतिशत प्रतिभागियों की औसत आयु सिर्फ 46 साल है।

शोधकर्ता डॉ. मार्टिन मैट्सुमुरा के अनुसार, हम अब तक जिस बात का पता नहीं लगा सके हैं वह दौड़ने और हमारे उम्र के बीच का संबंध है लेकिन इनका संबंध है, यह हम जरूर मान सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

मिशन युवा की प्रगति की समीक्षा, उद्यम मेंटरशिप एवं स्वयं सहायता समूह जागरूकता पर दिया जोर

कठुआ, 27 फरवरी (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने मिशन युवा के तहत जिले में विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उद्यम मेंटरशिप, स्वयं सहायता समूह जागरूकता और समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

डीसी ने एंटरप्राइज मेंटरशिप को मजबूत बनाने के लिए डीआईसी के महाप्रबंधक को स्थानीय उद्योगों और उद्यमों को मेंटरशिप ढांचे से जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि इच्छुक उद्यमियों को मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग मिल सके। उन्होंने उद्यम जागृति पहल के तहत स्वयं सहायता समूह महिलाओं के बीच उद्यमिता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी ब्लॉकों में साप्ताहिक जागरूकता सत्र आयोजित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को स्वयं सहायता समूह सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, पात्र ऋण आवेदनों के शीघ्र निस्तारण और जमीनी स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह महिलाएं मिशन युवा के प्रभावी क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

अवैध खनन पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने तीन जेसीबी मशीनें और ट्रैक्टर किया जब्त

बारामूला, 27 फ़रवरी (हि.स.)। रेराम-गरदी मैदान नाले, फिरोजपोरा में रात के समय खनिजों के अवैध खनन और परिवहन के संबंध में मिली विशिष्ट सूचना के आधार पर बारामूला पुलिस ने इलाके में एक विशेष अभियान चलाया। विशेष पुलिस दल मौके पर भेजे गए जिसके परिणामस्वरूप अवैध खनन गतिविधियों में शामिल तीन जेसीबी मशीनें (बिना पंजीकरण संख्या वाली) और पंजीकरण संख्या जेके09-8663 वाला एक ट्रैक्टर सफलतापूर्वक जब्त किया गया। मौके पर साकिब मंजूर पुत्र मंजूर अहमद गनी निवासी रेराम - एक जेसीबी (बिना पंजीकरण संख्या वाली) के साथ, मुश्ताक अहमद डार पुत्र गुलाम मोहम्मद डार निवासी मुंडी पुंछ - एक जेसीबी (बिना पंजीकरण संख्या वाली) के साथ, वसीम अहमद रेशी पुत्र अब्दुल अहद रेशी निवासी पेरिसवानी - एक जेसीबी (बिना पंजीकरण संख्या वाली) के साथ, मुजफ्फर अहमद गनी - पंजीकरण संख्या जेके09-8663 वाले एक ट्रैक्टर के साथ गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया और उनके वाहन जब्त कर लिए गए।

इस संबंध में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 16/2026 दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है। बारामूला पुलिस अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराती है और आम जनता से ऐसे गैरकानूनी कार्यों के बारे में सहयोग करने और जानकारी साझा करने का आग्रह करती है।

एसएमवीडीयू में क्लीन हैबिट्स, हेल्दी कम्युनिटीज पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) में स्वच्छ आदतें, स्वस्थ समुदाय विषय पर एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की चल रही थीम आधारित श्रृंखला फ्रॉम मी टू वी का दूसरा सत्र था जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत जिम्मेदारी को सामूहिक कल्याण से जोड़ना है। इस सत्र का संचालन एसएमवीडीयू कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य एवं डीन डॉ. शैला कैनी ने किया। वे एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् हैं और उन्हें राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

नर्सिंग शिक्षा और सामुदायिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके पास 28 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला छात्रावास की छात्राओं ने भाग लिया।

अपने संबोधन में डॉ. कैनी ने व्यक्तिगत स्वच्छता, साझा स्थानों के जिम्मेदार उपयोग और आपसी सम्मान को स्वस्थ एवं सामंजस्यपूर्ण आवासीय समुदाय की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ आदतें केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं होतीं बल्कि पूरे परिसर के वातावरण को सकारात्मक और सुरक्षित बनाती हैं।

व्याख्यान को इंटरैक्टिव रूप दिया गया, जिसमें छात्राओं ने स्वच्छता, सामुदायिक जीवन और छात्रावास प्रशासन के साथ समन्वय से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। सत्र का उद्देश्य छात्राओं में जागरूकता बढ़ाना और एक सुरक्षित, सहयोगात्मक तथा स्वस्थ कैंपस वातावरण के निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना था।

8वें वेतन आयोग से डीए मर्जर और अंतरिम राहत की मांग

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू में राष्ट्रीय मजदूर सम्मेलन (एनएमसी) के अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने 8वें वेतन आयोग से केंद्रीय और राज्य कर्मचारियों व पेंशनरों के हित में ठोस सिफारिशें करने की मांग की है। उन्होंने आयोग की अध्यक्ष राजना प्रकाश देसाई, सदस्य सचिव पंकज जैन तथा अंशकालिक सदस्य पुलक घोष को अलग-अलग ज्ञापन भेजकर आग्रह किया कि आगामी बैठक में 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते (डीए) के विलय, 18 माह के लंबित डीए एरियर की अदायगी तथा अंतिम रिपोर्ट आने तक 20 प्रतिशत अंतरिम राहत की सिफारिश की जाए। शास्त्री ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई का सीधा प्रभाव सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों पर पड़ रहा है। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की ऊंची कीमतों के कारण उन्हें बुनियादी जरूरतें पूरी करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग से आग्रह किया कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा कर विभिन्न कर्मचारी संगठनों, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से चर्चा करे ताकि समयबद्ध और व्यवहारिक सिफारिशें तैयार की जा सकें। शास्त्री ने सुझाव दिया कि आयोग एक स्पष्ट बैठक कैलेंडर जारी करे जिससे केंद्र और राज्यों के कर्मचारियों व पेंशनरों के लिए सिफारिशें एक साथ लागू हों और किसी प्रकार की विसंगति न रहे। उन्होंने यह भी मांग की कि आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को संसाधन उपलब्ध कराने की सिफारिश की जाए ताकि वे आयोग की सभी सिफारिशों को एकमुश्त लागू कर सकें।

जम्मू में 2 मार्च को मनाई जाएगी फाल्गुन पूर्णिमा

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू में फाल्गुन पूर्णिमा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य ने बताया कि फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को फाल्गुन पूर्णिमा कहा जाता है, जिसका सनातन धर्म में अत्यंत महत्व है। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 2 मार्च 2026 को सायं 5:56 बजे प्रारंभ होगी और 3 मार्च 2026 को सायं 5:08 बजे समाप्त होगी। हालांकि 3 मार्च को सूर्य उदय व्यापिनी पूर्णिमा तिथि के साथ सूतक और चंद्र ग्रहण दोपहर व शाम तक रहेगा। ग्रहण समाप्त होने तक पूर्णिमा तिथि भी समाप्त हो जाएगी इसलिए 2 मार्च 2026 को व्रत रखना अधिक शुभ और उचित माना गया है। महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि इस दिन विष्णु के श्री सत्यनारायण स्वरूप की कथा पढ़ना, सुनना या पूजा करवाना अत्यंत फलदायी होता है।

साथ ही गणेश, शिव भगवान, माता पार्वती और चंद्रदेव की पूजा का भी विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है।

जम्मू के श्रद्धालु भी इस दिन प्रातःकाल स्नान कर पूजा-अर्चना करेंगे। यदि गंगा आदि पवित्र नदियों में स्नान संभव न हो तो घर पर स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करना और जरूरतमंदों को दान देना शुभ माना गया है।

एसएमवीडीयू ने स्वच्छ आदतें, स्वस्थ समुदाय विषय पर जागरूकता व्याख्यान का किया आयोजन

कटरा, 27 फ़रवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) ने स्वच्छ आदतें, स्वस्थ समुदाय卐 विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। यह व्याख्यान विश्वविद्यालय की चल रही स्वच्छ आदतें, स्वस्थ समुदाय श्रृंखला का दूसरा सत्र था जिसका उद्देश्य सामूहिक कल्याण के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी को बढ़ावा देना है। यह सत्र एसएमवीडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल और डीन डॉ. शैला कैनी द्वारा दिया गया जो एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित हैं।

जसरोटा में 1.10 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, 15 ट्रांसफॉर्मर, 2 बोरवेल और 8 नाले जनता को समर्पित

कठुआ, 27 फरवरी (हि.स.)। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए भाजपा विधायक राजीव जसरोटिया ने 1.10 करोड़ की लागत से स्थापित 15 नए ट्रांसफॉर्मर, 2 बोरवेल और 8 लेन नालों का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति, पेयजल उपलब्धता और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

यह सुविधाएं करंडी, अमाला, धमाल, हमीरपुर, घाटी, भल्लर, पंद्राड, मर्थ, बुधी, ठनून, करखड़ और पल्ली सहित कई गांवों के लोगों को समर्पित की गईं। विधायक ने कहा कि नए ट्रांसफॉर्मरों से वोल्टेज समस्या और बिजली कटौती में कमी आएगी, जबकि बोरवेल से गर्मियों में पेयजल संकट से राहत मिलेगी। साथ ही बनाए गए नाले जलभराव रोकने और स्वच्छता सुधारने में मदद करेंगे। स्थानीय लोगों ने लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान पर विधायक और संबंधित विभागों का आभार जताया। अधिकारियों ने भी आश्वासन दिया कि परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा।

केशव चोपड़ा ने विश्व एनजीओ दिवस के अवसर पर आश्रय गृह का दौरा किया

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। एकजुटता और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव दर्शाते हुए प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और संवेदना सोसाइटी के अध्यक्ष केशव चोपड़ा ने विश्व एनजीओ दिवस के उपलक्ष्य में बहू फोर्ट क्षेत्र के बोरिया बस्ती स्थित शहरी बेघरों के आश्रय गृह का दौरा किया। यह दौरा समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के संघर्षों को मान्यता देने और वैश्विक एनजीओ समुदाय की निस्वार्थ सेवा की भावना को सुदृढ़ करने की व्यापक पहल का हिस्सा था।

आश्रयगृह में अपने प्रवास के दौरान केशव चोपड़ा ने निवासियों के साथ घनिष्ठ रूप से बातचीत की उनकी कहानियाँ सुनीं और उनके दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों को समझा। तत्काल सहायता और आराम प्रदान करने के लिए।उन्होंने निवासियों को ताजे कपड़े और जूस जैसे पेय पदार्थ सहित आवश्यक वस्तुएँ वितरित कीं।

उनकी उपस्थिति ने निवासियों में अपनेपन और खुशी की भावना पैदा की क्योंकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज की प्रगति इस बात से मापी जाती है कि वह अपने सबसे कमजोर सदस्यों की कितनी देखभाल करता है।

गणतंत्र दिवस कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जीडीसी बसोहली के एसयूओ हरीश वर्मा सम्मानित

कठुआ, 27 फरवरी (हि.स.)। सरकारी डिग्री कॉलेज बसोहली के प्राचार्य और स्टाफ ने एनसीसी के सीनियर अंडर ऑफिसर हरीश वर्मा को गणतंत्र दिवस कैंप 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। यह प्रतिष्ठित कैंप 27 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित हुआ था।

हरीश वर्मा का इस राष्ट्रीय स्तर के कैंप के लिए चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। कैंप के दौरान उन्होंने ड्रिल प्रतियोगिताओं, लाइन एरिया प्रबंधन और प्रधानमंत्री रैली जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों में सक्रिय भाग लिया तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित सेना और एनसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद का अवसर भी प्राप्त किया। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. राज किरण शर्मा ने हरीश वर्मा की मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि से कॉलेज को राष्ट्रीय स्तर पर गौरव मिला है।

उन्होंने एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. विरेंद्र सिंह और कॉलेज की एनसीसी इकाई के प्रयासों की भी प्रशंसा की। कॉलेज प्रशासन ने हरीश वर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणादायक है

नशा तस्करी पर सख्ती के लिए एडीसी कठुआ ने की एनसीओआरडी बैठक, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कठुआ, 27 फरवरी (हि.स.)। एडीसी कठुआ विश्वजीत सिंह ने डीसी कार्यालय में नेशनल कोऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर जिले में नशा तस्करी और नशे के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के उपायों की समीक्षा की।

बैठक में प्रवर्तन कार्रवाई, खुफिया जानकारी साझा करने, जागरूकता अभियान, पुनर्वास प्रयास और निगरानी तंत्र की विस्तार से समीक्षा की गई। एडीसी ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों पर सघन जांच करने और दवा बिक्री की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। एडीसी ने नशा तस्करी के खिलाफ प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति दोहराते हुए अधिकारियों को खुफिया तंत्र मजबूत करने, जांच में तेजी लाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मिशन मोड में काम कर कठुआ को नशा मुक्त बनाने का आह्वान किया। बैठक में एसडीएम हीरानगर, आरटीओ कठुआ, एसीडी, मुख्य शिक्षा अधिकारी, डीएसपी मुख्यालय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने कई स्थानों पर मनाया थाना दिवस, लोगों की समस्याएं सुनीं

कठुआ, 27 फरवरी (हि.स.)। पुलिस-जनता के बीच बेहतर तालमेल और लोगों की शिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिला पुलिस कठुआ ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में 'थाना दिवस' कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम थाना कठुआ के जखबड, थाना हीरानगर के चकड़ा, थाना बसोहली के महानपुर, थाना राजबाग के जखोल, थाना बिलावर के मच्छेड़ी और थाना बनी के चल्ला क्षेत्र में आयोजित किए गए।

कार्यक्रमों की अध्यक्षता जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने की जिनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल चरक, डीएसपी मुख्यालय रविंदर सिंह, डीएसपी ऑप्रेशन पुष्पा राजपूत, एसडीपीओ बसोहली ओम प्रकाश, एसडीपीओ बॉर्डर धीरज कटोच, एसडीपीओ बिलावर नीरज पडियार और अन्य थाना प्रभारी शामिल रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर किरायेदार सत्यापन, नशा तस्करी पर रोक, सीसीटीवी कैमरे लगाने, ट्रैफिक प्रबंधन और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दे उठाए।

जीजीएम साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू स्थित जीजीएम साइंस कॉलेज के साइंस क्लब ने प्राणीशास्त्र विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस बड़े उत्साह और बौद्धिक ऊर्जा के साथ मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय विकास में विज्ञान की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ साइंस क्लब के संयोजक डॉ. ब्रिंदर कुमार के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता, प्राणीशास्त्र एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के प्राध्यापकों तथा उपस्थित विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों को स्मरण करने और युवाओं को शोध व नवाचार की ओर प्रेरित करने का अवसर प्रदान करता है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने राष्ट्र निर्माण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अनिवार्य भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्तव्य डॉ. बी.पी. सिंह, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विज्ञान में महिलाएँ- विकसित भारत को बढ़ावा देना विषय पर प्रस्तुत किया गया। उन्होंने महिला वैज्ञानिकों के उल्लेखनीय योगदान को रेखांकित करते हुए वैज्ञानिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. राहुल कैथ (विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र), डॉ. रोहित भारद्वाज, डॉ. सपना, डॉ. सुमेरा, डॉ. माजिद और डॉ. सैयद मुजतबा भी उपस्थित रहे।

गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू के सरकारी शिक्षा महाविद्यालय (जीसीओई) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अकादमिक उत्साह और गरिमामय वातावरण के बीच मनाया गया। इस अवसर पर विज्ञान विभाग द्वारा कॉलेज की विज्ञान प्रयोगशाला में विज्ञान में महिलाएँ- विकसित भारत को बढ़ावा देना विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिक उन्नति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और विकसित भारत के निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित करना था। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. ज्योति परिहार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और विज्ञान के क्षेत्र में लैंगिक समानता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध कार्यों में आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण में वैज्ञानिक ज्ञान के माध्यम से सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया।संगोष्ठी में कुल 13 विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने एन. कलैसेलवी, रोज़लिंड फ्रैंकलिन, जानकी अम्मल और टेसी थॉमस जैसी प्रमुख महिला वैज्ञानिकों के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला।

NOTICE

I, Gurdeep Singh S/o late S. Pritam Singh R/o H.No. 227, Rampura Gandhi Nagar, Jammu. I am the transferee of shop No. 89 , Yard No. 06, Transport Nagar Narwal, Jammu and have applied for transfer of leasehold rights to freehold rights of above said shop in my favour. Objection, if any, may be conveyed to the concerned authority within a period of 7 days from the date of publication of this Notice. However, no objection will be entertained after the expiry of the above said period.

Gurdeep Singh S/o Sh. Pritam Singh
R/o H.No. 227 Rampura Gandhi Nagar, Jammu

ईपीएफओ ने औद्योगिक इकाइयों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से अधिकाधिक जुड़ने का दिया आह्वान

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने प्रमुख जनसंपर्क कार्यक्रम 'निधि आपके निकट 2.0' की तीसरी वर्षगांठ सांबा स्थित गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के परिसर में आयोजित की। इस अवसर पर सांबा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के साथ एक बैठक भी हुई जिसका उद्देश्य हितधारकों में जागरूकता बढ़ाना और जमीनी स्तर पर सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 सुमीत सिंह ने प्रवर्तन अधिकारियों की टीम के साथ की। उन्होंने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के साथ सक्रिय संवाद की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक सुरक्षा ढांचे में पारदर्शिता, अनुपालन और विश्वास को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को केंद्र सरकार की प्रमुख पहलों की जानकारी दी गई। बताया गया कि 'कर्मचारी नामांकन योजना 2025' (1 नवंबर 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक प्रभावी) के माध्यम से प्रतिष्ठानों को पात्र कर्मचारियों का पंजीकरण और लंबित अभिलेखों का सरलीकृत नियमितीकरण करने का अवसर मिलेगा। साथ ही आगामी चार श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई, जो श्रम कानूनों के आधुनिकीकरण, सुरक्षित कार्यस्थल, निष्पक्ष वेतन और व्यापक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

विशेष रूप से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि जम्मू संभाग में 2,000 से अधिक प्रतिष्ठान और 28,500 से अधिक कर्मचारी इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत हो चुके हैं जो औपचारिक रोजगार सृजन में सकारात्मक प्रगति का संकेत है।

पुलिस ने उत्तरी कश्मीर में दो नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया

जम्मू, 27 फ़रवरी (हि.स.)। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाते हुए पुलिस ने उत्तरी कश्मीर में दो नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। पुलहल्लन पुलिस चौकी से सरकारी प्राथमिक विद्यालय के पास गुंडबल स्थित एक चेकपॉइंट पर तैनात पुलिस दल ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका जिसने पुलिस दल को देखते ही भागने का प्रयास किया। हालांकि सतर्क पुलिस दल ने चतुराई से उसे पकड़ लिया। उसकी पहचान मोहम्मद अहसान गनई, पिता अब्द अहद गनई, निवासी शाहगुंड, हाजिन के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान, उसके पास से 115 ग्राम चरस जैसा पदार्थ, एक मोबाइल फोन और 40,000 रुपये नकद बरामद किए गए। इसी बीच सोपोर में, नसीराबाद, चिंकीपोरा सोपोर स्थित एक चेकपॉइंट पर तैनात पुलिस दल ने पंजीकरण संख्या जेके02-6164 वाले एक वाहन (ट्रक) को रोका। तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में अफीम का भूसा बरामद किया गया और विधिवत जब्त कर लिया गया। आरोपी चालक की पहचान शमदीन पुत्र सरजदीन निवासी धिरती, कटरा के रूप में हुई है। तदनुसार कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज कर लिए गए हैं और स्रोत तथा इसमें शामिल व्यापक संबंधों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

IN THE COURT 0F JUDICIAL MAGISTRATE IST CLASS"UNSIFF HIRANAGAR

Present: - LAKSHAY BADYAL
U T of J&K through Police Station Rajbagh
VS
Nemo
Complaint U/S 503 BNSS
Proclamation

Whereas police of Police Station Rajbagh seized a vehicle (Suffari) bearing registration no. PB35M -2122 with loaded 18 logs of wood (Kher). In terms of section 106 BNSS in suspicious circumstances at Bandhore near Government Middle School.
Now it is for the information of public in general that any person/s who has any objection in disposal of the aforesaid vehicle may approach this court for filing his/her claim , either |ici.sonally or through authorized agent within a period of six months from the date of publication of this notice after that no claim will be entertained. Next date of hearing is 21-04--2026.
Given under my hand and seal of this court 29-01-2026.
No:469/mch
Dtd:14-2-2026

DIP/J-12198/25
Dtd:27-2-2028

Sd/-
Munsiff/JMIC
JUDICIAL MAGISTRATE IST CLASS
UDHAMPUR

संपादकीय

शिक्षकों को नैतिक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए

शिक्षकों द्वारा अनुशासनहीनता या दुराचार के प्रति शून्य सहिष्णुता होनी चाहिए, क्योंकि यह पेशा ईमानदारी, अनुशासन और नैतिक आदर्शों की मांग करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विशेषकर सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की अनुशासनहीनता के मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं, जो कड़ी कार्रवाई और सुधारात्मक उपायों की मांग करते हैं। शैक्षणिक संस्थान युवा मनों को संवारने के लिए होते हैं, जहां अभिभावक अपने बच्चों को पूर्ण विश्वास के साथ भेजते हैं।

हाल ही में एक और मामले में, Office of the Chief Education Officer, Rajouri ने ज़ोन मोगला के सरकारी प्राथमिक विद्यालय लांझर में तैनात एक शिक्षक ग्रेड-III को गंभीर कदाचार, अनुशासनहीनता और कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बताया गया है कि यह कार्रवाई ज़ोनल शिक्षा अधिकारी (ZEO) मोगला की रिपोर्ट के आधार पर की गई, जिसमें हालिया निरीक्षण के दौरान शिक्षक को विद्यालय परिसर में कार्य समय के दौरान कथित रूप से नशे की हालत में पाया गया, जिससे शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हुआ।

सरकारी स्कूल के शिक्षक का ड्यूटी के दौरान शराब के प्रभाव में पाया जाना केवल एक साधारण अनुशासनात्मक मामला नहीं है, बल्कि यह शिक्षा संस्थानों की पवित्रता और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय इस आशा से भेजते हैं कि वहां उन्हें ज्ञान के साथ-साथ संस्कार और चरित्र निर्माण का मार्गदर्शन मिलेगा, जो उनके भविष्य को आकार देगा।

ऐसे आचरण से समाज का विश्वास टूटता है और इसका दुष्प्रभाव कक्षा से कहीं आगे तक जाता है। इस मामले में अंतिम निर्णय चाहे जो भी हो, महत्वपूर्ण यह है कि सरकार ऐसे मामलों से समग्र रूप से कैसे निपटती है। विशेषकर वे सरकारी कर्मचारी जो सीधे जनता और बच्चों से जुड़े हैं, उनसे उच्च आचरण की अपेक्षा की जाती है। इसलिए नीति में कठोर बदलाव समय की आवश्यकता है।

ऐसी घटनाएं सरकारी तंत्र में निगरानी और जवाबदेही की कमी की ओर संकेत करती हैं। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को चाहिए कि वे तत्काल प्रभावी कदम उठाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

निलंबन आदेश में यह भी उल्लेख है कि संबंधित शिक्षक को पूर्व में भी ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और स्कूल समय के दौरान शराब सेवन के संबंध में स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि नियमों के अनुपालन में ढिलाई बरती गई। जिस व्यक्ति पर बच्चों का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी हो, उसे विद्यालय परिसर में नशे की हालत में पाए जाने के बाद सेवा में बनाए रखना गंभीर चिंता का विषय है।

ऐसे अनुशासनहीन कर्मचारी को बार-बार अवसर देना प्रशासनिक शिथिलता और नियमों में मौजूद गंभीर खामियों को दर्शाता है। जैसे कई मामलों में Jammu and Kashmir administration ने राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए सरकारी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया है, वैसे ही नीति-निर्माताओं को भी ऐसे मामलों में कठोर निर्णय लेने पर विचार करना चाहिए, ताकि कोई भी कर्मचारी ड्यूटी के दौरान नियमों का उल्लंघन करने का साहस न कर सके।

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान

नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।'' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएं- विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य - शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'।

– योगेश कुमार गोयल

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है।

दरअसल, इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी.वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सीवी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।'' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएं- विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य - शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्यौगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सीमाओं के परे साइबर अपराध का मुकाबला

चार्वी अरोड़ा (अमेरिकी राजदूतावास, नई दिल्ली)

अपराधी फोन कॉल, संदेश और भरोसेमंद ब्रांडिंग का उपयोग कर सरकारी एजेंसियों और व्यवसायों का छद्म रूप धारण कर लेते हैं और हजारों मील दूर से भी पीड़ितों को धन या संवेदनशील जानकारी देने के लिए छलते हैं। जैसे-जैसे ये साइबर-सक्षम धोखाधड़ी नेटवर्क अमेरिकियों को तेजी से निशाना बना रहे हैं, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग एक महत्वपूर्ण रक्षा पंक्ति बन गया है।

नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के लीगल अटैशे सुहेल दाऊद कहते हैं कि इन नेटवर्क का मुकाबला घनिष्ठ अंतरराष्ट्रीय समन्वय पर निर्भर करता है। एफबीआई स्थापित कानूनी और परिचालन साझेदारियों के माध्यम से भारतीय कानून प्रवर्तन के साथ निकटता से काम करती है।

वह कहते हैं। हमारे सहयोग में खुफिया जानकारी साझा करना, संयुक्त जांच समन्वय, क्षमता निर्माण और तकनीकी आदान-प्रदान शामिल है।

एक बढ़ता खतराएफबीआई के इंटरनेट क्राइम कंप्लेंट सेंटर (आईसी3) की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में साइबर-सक्षम अपराध और धोखाधड़ी से होने वाला नुकसान 16.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। जैसे-जैसे अपराधी अधिक अवैध लाभ कमाते हैं, वे अपनी गतिविधियों का विस्तार सीमाओं के पार करते हैं।

प्रौद्योगिकी इस वृद्धि को बढ़ावा देती है। दाऊद बताते हैं, वे नए प्रौद्योगिकी साधनों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और समसामयिक घटनाओं का उपयोग कर धोखाधड़ी को अधिक विश्वसनीय बनाते हैं। आज कुछ धोखेबाज पीड़ितों को ठगने के लिए एआई का उपयोग कर नकली चित्र, ईमेल और आवाजें तैयार करते हैं। वे जोर देते हुए कहते हैंयह कोई मामूली परेशानी नहीं है,यह डिजिटल क्षेत्र में संचालित संगठित अपराध है।

धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़कई साइबर धोखाधड़ी योजनाएं संगठित विदेशी कॉल सेंटरों से संचालित होती हैं। कुछ तो संपर्क सूची खरीदने या नकली वेबसाइट बनाने के लिए कंपनियों को काम देने जैसी सेवाओं का अनुबंध भी देते हैं। क्योंकि पीड़ित, साक्ष्य और अपराधी अक्सर कई देशों में फैले होते हैं, जांच के लिए घनिष्ठ समन्वय आवश्यक होता है। दाऊद एक सामान्य मामले का उदाहरण देते हैं- भारत में एक कॉल सेंटर पकड़ा जाता है लेकिन पीड़ित अमेरिकी नागरिक होते हैं और वित्तीय लेनदेन की कड़ी अमेरिका में होती है। भारतीय कानून प्रवर्तन एफबीआई से संपर्क करता है और एफबीआई पीड़ितों से संपर्क कर भारतीय अदालतों में गवाही की तैयारी करती है। एफबीआई भारतीय कानून प्रवर्तन को साक्ष्य की वित्तीय श्रृंखला पूरी करने में भी मदद करती है क्योंकि नुकसान अमेरिका में हुआ होता है।

यह सहयोग जवाबदेही सुनिश्चित करता है। दाऊद कहते हैं यह साक्ष्य और पीड़ितों की गवाही सुनिश्चित करती है कि भारत में कॉल सेंटर संचालकों को अदालत में जवाबदेह ठहराया जाए। इस सहयोग के बिना मामले का अभियोजन संभव नहीं है।

हाल की एक सफलता अमेरिका-भारत सहयोग के प्रभाव को दर्शाती है। एफबीआई बाल्टीमोर फील्ड ऑफिस, मोंटगोमेरी काउंटी पुलिस विभाग और मोंटगोमेरी काउंटी स्टेट्स अटॉर्नी कार्यालय द्वारा की गई संयुक्त जांच ने मैरीलैंड निवासियों और सैकड़ों अन्य अमेरिकियों को निशाना बनाने वाली धोखाधड़ी योजनाओं को भारत में संगठित ठग कॉल सेंटरों तक पहुंचाया।

भारत के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिसंबर 2025 में इन कॉल सेंटरों को ध्वस्त किया और लगभग 5 करोड़ डॉलर की चोरी के लिए जिम्मेदार आपराधिक सिंडिकेट का नेतृत्व करने वाले छह भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया।

दाऊद कहते हैं, हाल के समय में ऐसी सफलता के कई उदाहरण रहे हैं। यह सब एफबीआई और भारतीय कानून प्रवर्तन के साझेदार के रूप में हाथ मिलाकर काम करने से संभव हुआ है।

व्यक्तिगत मामलों से परे, ये प्रयास दीर्घकालिक व्यवधान उत्पन्न करते हैं, आपराधिक पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करके—वित्तीय चैनलों, डिजिटल अवसंरचना और भर्ती पाइपलाइनों को काटकर जो धोखाधड़ी अभियानों को बनाए रखते हैं।

जागरूकता क्यों महत्वपूर्ण हैसाइबर धोखाधड़ी सभी आयु और पृष्ठभूमि के लोगों को प्रभावित करती है। दाऊद बताते हैं कि एक आम गलतफहमी यह है कि साइबर धोखाधड़ी केवल उन लोगों को निशाना बनाती है जो तकनीकी रूप से दक्ष नहीं हैं, लोग अक्सर मानते हैं कि वे कभी ठगी का शिकार नहीं होंगे। ये ठगी मानव मनोविज्ञान का शोषण करती हैं, तकनीकी कमजोरी का नहीं। साइबर धोखाधड़ी कोई पीड़ित-विहीन अपराध नहीं है। यह सेवानिवृत्त लोगों, परिवारों और छोटे व्यवसायों को प्रभावित करती है। कई मामलों में भावनात्मक प्रभाव वित्तीय नुकसान के बराबर होता है।

दाऊद कहते हैं कि जागरूकता हमारी सबसे मजबूत रक्षा में से एक है, थोड़ी-सी भी सावधानी लोगों को ठगी पहचानने और वित्तीय या भावनात्मक नुकसान से बचने में मदद कर सकती है। ठगी की रिपोर्ट करना भी महत्वपूर्ण है। भले ही धन पहले ही खो गया हो, रिपोर्ट करने से कानून प्रवर्तन को पैटर्न पहचानने और आपराधिक नेटवर्क को बाधित करने में मदद मिलती है।

प्रौद्योगिकी तेजी से विकसित होती है और निरंतर सहभागिता यह सुनिश्चित करती है कि जांचकर्ता आपराधिक रणनीतियों से आगे रहें। यह साझेदारी केवल अलग-अलग मामलों को सुलझाने के बारे में नहीं है बल्कि टिकाऊ संस्थागत शक्ति निर्माण के बारे में है।

वैश्विक स्थिति को कैसे बदल रहे हैं व्यापार समझौते

डॉ-डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

भारतीय उत्पादन और सेवाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में ज्यादा से ज्यादा इंटीग्रेट करने और निवेश अवसरों को बढ़ावा देकर घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिए भारत की नई अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति देश के मौजूदा और नए विकसित आर्थिक ढांचे का इस्तेमाल करना चाहती है, साथ ही मौजूदा और भविष्य की ज़रूरतों के हिसाब से इसे रीडिज़ाइन भी कर रही है। सप्लाई चेन में रुकावटें, बढ़ते व्यापार प्रतिबंध, फिर से उभरते टैरिफ के खतरे और भू-राजनीतिक तनाव- ये सभी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। इसे देखते हुए भारत को भरोसेमंद, लंबे समय के सहयोगी के तौर पर देखा जा रहा है।

भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रति दृष्टिकोण वैश्विक व्यापार माहौल के साथ बदल रहा है क्योंकि रुझान बताते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में संरक्षणवादी नीतियां ज्यादा आम हो रही हैं और एशिया-प्रशांत में वाणिज्य ज्यादा क्षेत्रीय हो रहा है।

मोदी सरकार की नई रणनीति में अपने मौजूदा आर्थिक ढांचे को फिर से व्यवस्थित करना और उसका इस्तेमाल करना दोनों शामिल हैं। मोदी सरकार की तरफ से बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 में मैन्युफैक्चरिंग का देश की जीडीपी में 20% से भी कम योगदान था, जबकि सेवाओं का 50% से ज्यादा था। इसलिए, भारत की रणनीति घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और मैन्युफैक्चरिंग में निर्यात की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना है, साथ ही भारतीय सेवाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में इंटीग्रेट करने को ऑप्टिमाइज़ करना है।

मोदी सरकार के तहत भारत ने कई महत्वपूर्ण पॉलिसी बदलाव किए हैं जो पिछले कुछ सालों में देश की अर्थव्यवस्था की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं, ताकि अंदरूनी समस्याओं को सुलझाया जा सके और बाहरी माहौल में होने वाले बदलावों के हिसाब से खुद को ढाला जा सके।

मेक इन इंडिया 2.0 पहल के ट्रेड रिफॉर्म्स का मकसद 27 अलग-अलग इंडस्ट्रीज़ को मज़बूत करना और देश को दुनिया के लिए एक भरोसेमंद एक्सपोर्टर के तौर पर स्थापित करना है।

लंबे समय तक चलने वाले विदेशी निवेश को आकर्षित करना और मेक इन इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाना इस कोशिश के दो मुख्य लक्ष्य हैं। अंतरराष्ट्रीय निवेश, विकास और स्थिरता के लिए बेहतरीन जगह के तौर पर देश की प्रतिष्ठा को बेहतर बनाने के लिए, सरकार रेगुलेटरी रिफॉर्म्स को बढ़ावा दे रही है, खास इंसेंटिव दे रही है और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का विस्तार कर रही है।

साल 2030 तक अपने एक्सपोर्ट को 2 ट्रिलियन तक बढ़ाने के लक्ष्य के साथ भारत ने साल 2023 में अपनी विदेश व्यापार नीति (FTP) को फिर से डिज़ाइन किया। FTP एक लचीली और गतिशील रणनीति है जो एक ऐसा ढांचा तैयार करती है जो व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देता है, प्रक्रियात्मक बाधाओं को कम करता है, व्यापार के डिजिटलीकरण को सक्षम बनाता है और भारतीय व्यवसायों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है। इसका मकसद एक ऐसा रिस्पॉन्सिव और अनुकूलनीय ढांचा बनाना है जिसे तय पॉलिसी चक्रों का इंतजार किए बिना बदला जा सके। इस व्यापार रणनीति के अनुरूप, मोदी सरकार के 2026 के केंद्रीय बजट में भारत को एक वैश्विक उत्पादन और सोर्सिंग बेस के रूप में स्थापित करने के लिए नई पहलें शामिल थीं, जो मुख्य रूप से रक्षात्मक व्यापार रुख से हटकर अधिक आक्रामक, दूरदर्शी दृष्टिकोण की ओर बढ़ रही हैं।

भारत की बदलती व्यापार नीतियों का लक्ष्य सिर्फ एक्सपोर्ट और निवेश पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अर्थव्यवस्था को वैश्विक नेतृत्व के लिए फिर से स्थापित करना है। व्यापक मुक्त व्यापार समझौतों और सरल टैरिफ प्रणालियों के साथ उत्पादों और सेवाओं के उद्योग में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी। भारत हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, श्रम-गहन एक्सपोर्ट, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत मुक्त व्यापार समझौतों पर ध्यान केंद्रित करके साल 2032 तक 10 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की नींव रख रहा है। इन सुधारों का मकसद लंबे समय में प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना और नौकरियां पैदा करना भी है, खासकर भारत के युवाओं के लिए।

ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष महामहिम उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा की। यूरोपीय संघ की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जिसका वैश्विक जीडीपी में 25% हिस्सा है, और भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, एक भरोसेमंद साझेदारी और अभूतपूर्व बाजार पहुंच स्थापित कर रही हैं। 99 प्रतिशत से अधिक भारतीय निर्यात को यूरोपीय संघ में तरजीही प्रवेश दिया गया है, जिससे विकास की अपार संभावनाएं खुल रही हैं। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का मूल लक्ष्य भारत और 27 यूरोपीय संघ के सदस्यों के बीच व्यापार की पूर्वानुमेयता, सामर्थ्य और सुगमता में सुधार करना है।

कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण जैसे श्रम-गहन उद्योगों में 33 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात को FTA के तहत तरजीही पहुंच से बहुत फायदा होगा, FTA MSMEs के लिए नए अवसर खोलेगा और महिलाओं, कारीगरों, युवाओं और पेशेवरों के लिए रोजगार पैदा करेगा। इसके अतिरिक्त, पारस्परिक बाजार पहुंच के साथ स्नञ्ज का सावधानीपूर्वक कैलिब्रेटेड ऑटो उदारीकरण भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात के लिए दरवाजे खोलेगा और संवेदनशील कृषि उत्पादों और डेयरी क्षेत्र को बिना किसी बाजार पहुंच के सुरक्षित रखेगा।

यूरोपीय संघ भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक भागीदारों में से एक है, जिसमें उत्पादों और सेवाओं में द्विपक्षीय वाणिज्य समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। 6.4 लाख करोड़ रुपये (75.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के निर्यात और 5.1 लाख करोड़ रुपये (60.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के आयात के साथ 2024-2025 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार कुल 11.5 लाख करोड़ रुपये (136.54 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा। साल 2024 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सेवाओं में व्यापार कुल 7.2 लाख करोड़ रुपये (83.10 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा। दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक और युवा, जोशीली कामकाजी आबादी के साथ भारत इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का फायदा उठाकर रोज़गार बढ़ाने, इनोवेशन को बढ़ावा देने, कई तरह के उद्योगों में मौके खोलने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कॉम्पिटिटिवनेस को बेहतर बनाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

कमोडिटी और सेवाओं में ट्रेड, ट्रेड रेमेडीज़, कस्टम्स और ट्रेड फैसिलिटेशन जैसे पारंपरिक सेक्टर के अलावा, भारत-E ट्रेड पैक्ट में SMEs और डिजिटल ट्रेड जैसे नए क्षेत्र भी शामिल हैं। इसके अलावा, E सदस्य देशों में जहां पारंपरिक मेडिकल तरीकों को रेगुलेट नहीं किया जाता है, वहां भारत ने भारतीय पारंपरिक चिकित्सा के प्रैक्टिशनर्स को अपने टाइटल के तहत काम करने का अधिकार हासिल कर लिया है।

भारत ने साल 2025 में न्यूजीलैंड के साथ एक व्यापार समझौते के पूरा होने की घोषणा की और ओमान और यूनाइटेड किंगडम के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। E व्यापार समझौता, K के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता और FETA अनिवार्य रूप से भारतीय कंपनियों, निर्यातकों और उद्यमियों को पूरे यूरोपीय बाजार तक पहुंच प्रदान करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए बयानों के अनुसार, भारत-अमेरिका व्यापार सौदा अब तक का सबसे अच्छा सौदा होगा और भारतीय कंपनियों को बहुत मदद करेगा। यह देखते हुए कि भारत का माल निर्यात कुछ ही महत्वपूर्ण देशों और वस्तुओं पर केंद्रित है और इन समूहों के बाहर की मात्रा अपेक्षाकृत कम है, विविधीकरण आवश्यक है। वर्ष 2024 में भारत के माल निर्यात का 39न्न अमेरिका और EU को गया, जो इसके दो सबसे बड़े निर्यात गंतव्य हैं। ये बाजार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लिए भी मुख्य गंतव्य हैं और भारत के सेवा निर्यात के सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। भारत एक ऐसा भविष्य का व्यापारिक माहौल बना रहा है जो अपने मजबूत स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ एकीकृत करने और राष्ट्र के अधिक वैश्विक आर्थिक एकीकरण की ओर बढ़ने के साथ-साथ कई लॉजिस्टिकल और बुनियादी ढांचे के मुद्दों को कुशलता से संबोधित करने का प्रयास करता है। भारत के कई उद्योग, जो समय के साथ फले-फूले हैं, देश के मजबूत स्थानीय वाणिज्यिक माहौल में परिलक्षित होते हैं। इन उद्योगों में पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग मशीनरी, लोहा और इस्पात शामिल हैं।731.2 मिलियन श्रमिकों के साथ भारत के पास एक ऐसा श्रम बल है जो चीन के करीब है और दक्षिण पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश युग में प्रवेश कर रहा है, जबकि कई वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं बढ़ती उम्र के कार्यबल की सिल्वर सुनामी का सामना करने के लिए संघर्ष कर रही हैं, जो महत्वपूर्ण कौशल के समूह को कम कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2025 और 2030 के बीच भारत की जनसंख्या में औसमिक वार्षिक दर से 0.8न्न की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत के पास एक बड़ा लेकिन अप्रयुक्त श्रमबल है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार चर्चाओं में और अधिक क्षेत्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी बनने के प्रयासों में एक प्रतिस्पर्धी बढ़त देता है। कुल मिलाकर, भारत की व्यापार नीति अभी भी बदल रही है, जो बढ़ती अर्थव्यवस्था की ज़रूरतों और अंतर्राष्ट्रीय एकीकरण के महत्व के बीच संतुलन बना रही है। वैश्विकरण अपनाने से भारत जैसी अर्थव्यवस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के फायदों से आर्थिक विकास बढ़ाकर और जीवन स्तर को ऊपर उठाकर काफी बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा, यह रेगुलेटरी और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार को बढ़ावा दे सकता है, जिससे कुल मिलाकर प्रभावशीलता और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बीड़-बिलिंग में एशियन माउंटेन साइक्लिंग प्रतियोगिता शुरू, पहले दिन भारतीय साइक्लिस्ट का रहा दबदबा

एजेंसी

धर्मशाला। पैराग्लाइडिंग के विश्व विख्यात कांगड़ा जिला की बीड़-बिलिंग में वीरवार को साइकिलिंग का रोमांच शुरू हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता का वीरवार को शुभारंभ हुआ। एशियन माउंटेन साइक्लिंग सीरीज इंडिया प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न वर्गों की प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसी कड़ी में 7 किलोमीटर की लंबी दौड़ में भारत के नोरबू टी शिवांग 32 मिनट सात सेकंड लेकर पहले स्थान पर रहे जबकि इंडोनेशिया के फनानी जेनियल 32 मिनट 47 सेकंड लेकर दूसरे स्थान पर और भारत के ही घारती खुशिमान 33 मिनट और 5 सेकंड लेकर तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के निदेशक नमन विज ने बताया कि 15 किलोमीटर की प्रतियोगिता में मलेशिया के नूर हामी अमर दानिश एक घंटा दो मिनट और 33 सेकंड लेकर पहले स्थान पर, भारत के संतोष प्रणेश एक घंटा 5 मिनट लेकर दूसरे स्थान पर और भारत के ही रुथान अश्विन एक घंटा 6 मिनट और 33 सेकंड लेकर तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता की तीसरी कैटेगरी में नोरबू टी सेवांग पहले स्थान पर घारती खुशिमान दूसरे स्थान पर और यूदोयोनो फेरी इंडोनेशिया के तीसरे स्थान पर रहे।

दिल्ली ऑडिट की नमिता को महिला एकल खिताब

प्रयागराज,। दिल्ली ऑडिट की नमिता पठानिया ने उत्तर क्षेत्रीय भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा बैडमिंटन प्रतियोगिता में महिला एकल के खिताब पर कब्जा जमाया। हरियाणा के रवि व दिल्ली ऑडिट के हिमांशु सरोहा की जोड़ी पुरुष युगल, दिल्ली ऑडिट की कीर्ति चतुर्वेदी व हरियाणा की नजमा खान की जोड़ी महिला युगल और कशिश (पंजाब) व नीला वी. (हरियाणा) की जोड़ी ने मिश्रित युगल का खिताब अपने नाम किया। अमिताभ बच्चन कीड़ा संकुल (मेयोहाल) में खेले गए मैचों के परिणाम इस प्रकार हैं। महिला एकल फाइनल-नमिता पठानिया (दिल्ली ऑडिट) ने नजमा खान (हरियाणा) को 21-12, 21-15 से हराया। पुरुष युगल फाइनल-रवि (हरियाणा) और हिमांशु सरोहा (दिल्ली ऑडिट) ने गौरव देसवाल और तुषार शर्मा (दिल्ली ऑडिट) को 21-17, 21-18 से हराया। सेमीफाइनल में गौरव देशवाल वी तुषार शर्मा (दिल्ली ऑडिट) ने ऋषि राय व अजय यादव (यूपी) को 21-10, 21-12 से और रवि व हिमांशु ने कशिश (पंजाब) व आनंद तिवारी (हरियाणा) को 21-12, 21-15 से हराया। महिला युगल फाइनल-कीर्ति चतुर्वेदी (दिल्ली ऑडिट) और नजमा खान (हरियाणा) ने परसा नकवी और नेहा वर्मा (यूपी) को 22-24, 12-12 से हराया। मिश्रित युगल फाइनल-कशिश (पंजाब) और नीला वी. (हरियाणा) ने तुषार शर्मा और नमिता पठानिया, (दिल्ली ऑडिट) को 21-18, 21-15 से हराया।

यूपीकेएल सीजन-2 ने दर्शक संख्या और लोकप्रियता में दर्ज की रिकॉर्ड वृद्धि

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) ने अपने दूसरे सीजन में दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया हासिल की है। सीजन 2 ने पूरे भारत (2+) में 4 करोड़ की संचयी रीच के साथ 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। सीजन-2 के लिए औसत मिनट दर्शक संख्या (एएमए) 90.8 रही, जो लीग के प्रति बढ़ती लोकप्रियता, आकर्षण और दर्शक रुचि को दर्शाती है। सीजन एक ने 1.82 करोड़ की संचयी रीच और 49 की एएमए दर्ज की थी। जी एंटरटेनमेंट के विशेष प्रसारण साझेदार के रूप में सीजन-2 का प्रसारण हिंदी और अंग्रेजी में जी अनमोल सिनेमा-2 और एंड पिक्चर्स एचडी पर किया गया तथा इसका आयोजन नोएडा इंडोर स्टेडियम में हुआ था। यूपीकेएल सीजन-2 की सफलता पर एसजे अपलिफ्ट कबड्डी के संस्थापक एवं निदेशक संभव जैन कहा कि सीजन-2 ने यूपीकेएल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। हमारा ध्यान एक पेशेवर रूप से संरचित लीग के निर्माण पर रहा है, जो क्षेत्रीय विकास को सुदृढ़ करे और कबड्डी प्रतिभाओं के लिए स्थायी अवसर प्रदान करे। हम लीग के दौरान सहयोग के लिए जी स्पोर्ट्स टीम के आभारी हैं और एक दीर्घकालिक साझेदारी की आशा करते हैं।

'इंडिया नॉकआउट नाइट्स' का धमाकेदार आगाज, चंडीगढ़ में हुए हाई-वोल्टेज मुकाबले

मोहाली। इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) की पहल 'इंडिया नॉकआउट नाइट्स' का आगाज मोहाली स्थित सीजीसी यूनिवर्सिटी के सेंटर लॉन में शानदार अंदाज में हुआ। पूरा परिसर एक भव्य बॉक्सिंग एरीना में तब्दील हो गया, जहां करीब 3000 दर्शकों की मौजूदगी में हाई-वोल्टेज मुकाबले खेले गए। आईआईएस और पेशेवर मुक्केबाज़ नीरज गोयत के सहयोग से आयोजित इस अनूठे मंच पर अलग-अलग भार वर्गों में कुल आठ मुकाबले हुए। शाम की शुरुआत सुपरफ्लाईवेट वर्ग में शिक्षा और ज्योति के रोमांचक मुकाबले से हुई। चार राउंड तक चले इस मुकाबले में शिक्षा ने जीत दर्ज कर दर्शकों का दिल जीत लिया। मुकाबलों के दौरान दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा और अंतिम घंटी तक माहौल ऊर्जा से भरपूर बना रहा। 'इंडिया नॉकआउट नाइट्स' को एक बहु-शहरी पेशेवर बॉक्सिंग लीग के रूप में तैयार किया गया है, जिसके तहत नियमित फाइट नाइट्स आयोजित की जाएंगी।

उत्तर प्रदेश ने सर्विसेज को चौंकाया, महाराष्ट्र की बड़ी जीत के साथ 72वीं सीनियर मेन्स नेशनल कबड्डी के सेमीफाइनल लाइन-अप तय

एजेंसी

वडोदरा। 72वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कबड्डी चैम्पियनशिप के तीसरे दिन क्वार्टरफाइनल और नॉकआउट मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा। कई करीबी मुकाबलों और बड़े उलटफेरों के बीच उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

उत्तर प्रदेश ने सर्विसेज को हराकर किया बड़ा उलटफेर

क्वार्टरफाइनल की सबसे चर्चित भिड़ंत में उत्तर प्रदेश ने गत चैंपियन सर्विसेज को 55-51 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। प्रो कबड्डी लीग में तमिल थलैवाज के कप्तान अर्जुन देशवाल ने उत्तर प्रदेश के लिए शानदार 19 अंक जुटाए और जीत के नायक बने।

महाराष्ट्र की दबंग जीत

दूसरे क्वार्टरफाइनल में महाराष्ट्र ने हिमाचल प्रदेश को 53-38 से हराया। अजीत चौहान (14 अंक)

और आदित्य शिंदे (12 अंक) ने रेडिंग यूनिट की कमान संभाली और टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

नॉकआउट में रोमांच और उलटफेर

नॉकआउट राउंड में तमिलनाडु ने हरियाणा को टाई-ब्रेकर में हराकर बड़ा उलटफेर किया। निर्धारित समय तक मुकाबला 35-35 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद तमिलनाडु ने संयम दिखाते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। चंडीगढ़ ने मध्य प्रदेश को 45-26 से हराया। इस मैच में भारतीय टीम के स्टार रेडर पवन सेहरावत ने 10 अंक बनाकर अहम भूमिका निभाई। हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के बीच मुकाबला दिन का सबसे रोमांचक रहा, जिसमें हिमाचल ने 56-53 से जीत दर्ज की। पप्पू कुमार (15 अंक) और मयंक सैनी (14 अंक) ने शानदार प्रदर्शन किया।

अन्य मुकाबलों के नतीजे

उत्तर प्रदेश ने जम्मू-कश्मीर को 65-24 से हराकर अपनी लय बरकरार रखी। सर्विसेज ने गोवा को 51-22 से हराया, जिसमें देवांक दलाल ने 10 अंक बनाए। बिहार ने मेजबान गुजरात को 38-34 से हराकर अहम जीत दर्ज की। इंडियन रेलवेज ने कर्नाटक को 57-38 से मात देकर अगले दौर में प्रवेश किया।

अब रेलवेज का मुकाबला बिहार से होगा, जबकि चंडीगढ़ और तमिलनाडु तीसरे और चौथे क्वार्टरफाइनल में आमने-सामने होंगे। जैसे-जैसे टूर्नामेंट अंतिम चरण में पहुंच रहा है, खिताब की जंग और भी दिलचस्प होती जा रही है।

रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीज़न में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बने आकिब नबी

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस सत्र में कुल 60 विकेट लेकर मौजूदा रणजी ट्रॉफी अभियान के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया। रणजी ट्रॉफी के इस सत्र में आकिब नबी ने कर्नाटक के खिलाफ मुकाबले में 54 रन देकर पांच विकेट झटके। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने कर्नाटक की टीम केवल 293 रनों पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर की पहली पारी के 584 रनों के विशाल स्कोर से काफी पीछे रह गई।इस उपलब्धि के साथ आकिब नबी टूर्नामेंट के 92 वर्षों के इतिहास में एक ही सत्र में 60 विकेट लेने वाले केवल तीसरे तेज गेंदबाज बन गए हैं। यह उनके लिए घरेलू क्रिकेट में एक यादगार उपलब्धि मानी जा रही है। इस सत्र में यह उनका सातवां पांच विकेट हॉल रहा, जबकि रणजी करियर का यह 15वां पांच विकेट हॉल है। आकिब नबी ने यह

ऐतिहासिक मुकाम कर्नाटक के बल्लेबाज शिखर शेट्टी को आउट कर हासिल किया। इससे पहले उन्होंने कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल को भी पगबाधा आउट किया, जिन्होंने 160 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की थी। आकिब नबी के इस प्रदर्शन से जम्मू-कश्मीर की टीम को मजबूत बढ़त मिली और उनके इस शानदार सत्र की चर्चा पूरे घरेलू क्रिकेट जगत में हो रही है।

पीठ दर्द के कारण भारत सीरीज से बाहर हुई सोफी मोलिनेक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की हरफनमौला खिलाड़ी सोफी मोलिनेक्स भारत के खिलाफ जारी बहु-प्रारूप सीरीज के शेष मुकाबलों से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया है कि उन्हें निचले हिस्से की पीठ में दर्द (लोअर बैक पेन) की शिकायत है, जिसके चलते यह फैसला लिया गया।

28 वर्षीय मोलिनेक्स ने ब्रिस्बेन में खेले गए पहले महिला वनडे में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने पांच ओवर गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर एक विकेट लिया था। हालांकि दूसरे वनडे (होबार्ट) में वह टीम का हिस्सा नहीं हैं। मोलिनेक्स की चोट के कारण अगले महीने होने वाली वेस्टइंडीज सीरीज में उनकी भागीदारी पर भी संशय पैदा हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट किया है कि उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जाएगी और चिकित्सकीय मूल्यांकन के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

हाल ही में बनीं थीं ऑस्ट्रेलिया की कप्तान

पिछले महीने सोफी मोलिनेक्स को सभी प्रारूपों के लिए ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की कप्तान नियुक्त किया गया था। वह दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली की जगह संभालने वाली थीं, जिन्होंने भारत सीरीज के बाद संन्यास लेने का फैसला किया है। मोलिनेक्स ने भारत के खिलाफ तीन टी20 मैचों में टीम की अगुवाई भी की थी, जब हीली टीम में शामिल नहीं थीं।

टॉस के दौरान एलिसा हीली ने कहा कि मोलिनेक्स की चोट की खबर सभी के लिए चौंकाने वाली और निराशाजनक रही। उन्होंने टीम से अपील की कि वह चोटिल खिलाड़ियों के साथ मजबूती से खड़ी रहे।

चोटों से जूझता रहा है करियर

सोफी मोलिनेक्स का करियर पहले भी कई चोटों से प्रभावित रहा है। वह 2022 की एशेज और वनडे विश्व कप में पैर की चोट के कारण नहीं खेल सकीं। उसी वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों से भी बाहर रहीं। 2023 टी20 विश्व कप में वह एसीएल चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाईं। हाल ही में 2025 वनडे विश्व कप (भारत और श्रीलंका) के दौरान उनकी वापसी को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया था, क्योंकि वह घुटने की चोट से उबर रही थीं।

गुलमर्ग में अगला खेलो इंडिया विंटर गेम्स होगा 15 दिन का महोत्सव

एजेंसी

गुलमर्ग। जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल गुलमर्ग में आयोजित छठे खेलो इंडिया विंटर गेम्स के दूसरे चरण के समापन समारोह में केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में गुलमर्ग में होने वाले विंटर गेम्स को चार दिन के आयोजन तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे 15 दिन के भव्य खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा।

समारोह गुलमर्ग के प्रतिष्ठित गुलमर्ग गोल्फ कोर्स में आयोजित हुआ, जहां मंत्री ने कहा कि 'गुलमर्ग आने वाले समय में विंटर स्पोर्ट्स का ग्लोबल हब बनने जा रहा है।' उन्होंने कहा कि खेल समाज को जोड़ने, सौहार्द बढ़ाने और विकास को गति देने का माध्यम है तथा जम्मू-कश्मीर खेलों के जरिए प्रगति का नया अध्याय लिख रहा है। डॉ मांडविया ने घोषणा की कि भविष्य में विंटर गेम्स को पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ जोड़ते हुए 15 दिनों तक आयोजित किया जाएगा। इसमें स्कीइंग और स्नो माउंटेनियरिंग जैसी प्रतिस्पर्धाओं के साथ 'फिट इंडिया कार्निवल' और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल होंगे, ताकि इसे उत्सव का स्वरूप दिया जा सके। उन्होंने कहा कि कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और पिर पंजाल की बर्फीली वादियां विश्वस्तरीय पर्यटन और खेल आयोजन की अपार संभावनाएं रखती हैं, जिन्हें वैश्विक पहचान दिलाने के लिए और प्रयास किए जाएंगे। विंटर स्पोर्ट्स को मजबूत आधार देने के लिए जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (ह्ष्टश्रश्च) स्थापित करने की भी घोषणा की गई। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी उपलब्ध कराना है। समापन समारोह में डॉ मांडविया ने खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 की चैंपियन ट्रॉफी भारतीय सेना की टीम को प्रदान की। सेना ने कुल 23 पदक (9 स्वर्ण, 6 रजत और 8 कांस्य) जीतकर खिताब बरकरार रखा। हिमाचल प्रदेश 14 पदकों (6 स्वर्ण, 7 रजत, 1 कांस्य) के साथ उपविजेता रहा, जबकि हरियाणा तीसरे स्थान पर रहा।

उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 का पहला चरण 20 से 26 जनवरी के बीच लद्दाख में आयोजित हुआ था। गुलमर्ग और लेह में आयोजित प्रतियोगिताओं में 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 900 से अधिक खिलाड़ियों ने छह खेल विधाओं में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खेलो भारत नीति देश के युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और खेलों को राजनीति से दूर रखते हुए खिलाड़ी-केंद्रित नीतियां लागू की जा रही हैं।

जिम्बाब्वे पर मिली जीत के बाद,कप्तान सूर्यकुमार बोले- 'गेंदबाज़ी में और क्लिनिकल होना होगा'

एजेंसी

चेन्नई। आईसीसी टी 20 विश्व कप सुपर 8 चरण के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज की।

मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने लीग चरण और पिछले मुकाबले की बातों को पीछे छोड़कर नए सिरे से शुरुआत की। उन्होंने कहा, 'हमने सोचा कि जो भी लीग चरण में हुआ या पिछले मैच में हुआ, उसे पीछे छोड़ दें। हमारे वीडियो विश्लेषक ने साल भर के प्रदर्शन की एक स्लाइड सभी बल्लेबाज़ों और गेंदबाज़ों के लिए तैयार की थी। हमने उसे देखा और उससे काफी सकारात्मकता मिली। यहां आने के बाद शीर्ष क्रम से लेकर नंबर सात तक सभी बल्लेबाज़ों का योगदान देखना दिल को सुकून देने वाला था।'

हालांकि कप्तान ने माना कि गेंदबाज़ी में अभी सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने साफ कहा, 'अगर ईमानदारी से कहूं तो हम गेंद से थोड़ा और क्लिनिकल हो सकते थे। लेकिन दिन के अंत में जीत, जीत होती है। आगे बढ़ते हुए हम अपनी कमियों पर काम करेंगे और जब वेस्टइंडीज के खिलाफ उतरेंगे तो अपनी रणनीति और मजबूत करेंगे।' सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाज़ों की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मैं जिम्बाब्वे के बल्लेबाज़ों से कोई श्रेय नहीं छीनना चाहता। उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाज़ी की। पिच अच्छी थी, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में समय लिया और बाद में समझदारी से खेला। उन्हें भी पूरा श्रेय जाता है। हालांकि गेंदबाज़ी के नजरिए से हमें कुछ मौकों पर बेहतर विकल्प चुनने चाहिए थे।'

आगामी मुकाबले को लेकर कप्तान ने संकेत दिए कि टीम को साहसिक फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा, 'ऐसी परिस्थितियों में हमें और ज्यादा साहसी बनना होगा और सकारात्मक रास्ता ही अपनाना होगा। कोलकाता पहुंचने के बाद हम बैठकर वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले की रणनीति बनाएंगे। फिलहाल कल आराम का दिन है, फिर यात्रा करेंगे और खुद को तरोताजा रखेंगे।' अब सबकी नजरें वेस्टइंडीज के खिलाफ 1 मार्च को होने वाले अगले अहम मुकाबले पर टिकी हैं, जहां भारतीय टीम सेमीफाइनल में जगह बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी।

टी-20 विश्व कप: दक्षिण अफ़्रीका ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया, एडन मार्करम बने जीत के नायक

एजेंसी

अहमदाबाद। टी-20 विश्व कप में अब तक अपराजित रही दो टीमों के बीच मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। गेंदबाजों की बेहतरीन शुरुआत और उसके बाद एडन मार्करम की आक्रामक कप्तानी पारी ने मैच को एकतरफा बना दिया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पिच से अतिरिक्त उछाल मिल रही थी, जिसका फायदा तेज गेंदबाजों ने बखूबी उठाया। हालांकि पहले ओवर में शाई होप ने केशव महाराज की स्पिन पर एक चौका और दो छक्के जड़कर तेज शुरुआत दिलाई।

पावरप्ले के दौरान तीन कैच छूटने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट झटके। कगिसो रबाडा ने अतिरिक्त उछाल का फायदा उठाते हुए शाई होप को आउट किया। शिमरॉन हेटमायर और ब्रैंडन किंग भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। लुंगी नगिडी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जबकि रोस्टन चेज़ भी बोल्ड हो गए। 83/7 के स्कोर पर वेस्टइंडीज मुश्किल में थी, लेकिन जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने मोर्चा संभाला। दोनों ने तेज अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला। 18वें ओवर में मार्को यानसेन के खिलाफ 23 रन बने, जिससे स्कोर तेजी से आगे बढ़ा। होल्डर 49 रन बनाकर रन आउट हुए, जबकि शेफर्ड ने नाबाद 52 रन की पारी खेलकर टीम को 20 ओवर में 176/8 तक पहुंचाया। 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। कप्तान एडन मार्करम ने शानदार स्ट्रोक्स खेलते हुए मैदान के चारों ओर रन बटोरे।

टी20 विश्वकप 2026: अर्शदीप के 3 विकेट से भारत की 72 रन से जीत, वेस्टइंडीज के खिलाफ 'करो या मरो' मुकाबला तय

एजेंसी

चेन्नई। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। एमए चिदंबरम स्टेडियम खेले गए इस मैच में भारत की जीत के साथ ही जिम्बाब्वे टूर्नामेंट से बाहर हो गया, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 184/6 तक ही पहुंच सकी।

अर्शदीप का घातक स्पेल

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट झटके और जिम्बाब्वे की पारी की कमर तोड़ दी। उन्होंने सिकंदर रज़ा, रयान बर्ल और टोनी मुन्योंगा को आउट कर मैच भारत की झोली में डाल दिया।

ब्रायन बेनेट की जुझारू पारी

जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट ने 59 गेंदों में नाबाद 97 रन बनाकर संघर्ष किया। उनकी पारी में 8 चौके और 4 छक्के शामिल थे। हालांकि, वह शतक से तीन रन दूर रह गए। भारत की ओर से स्थानीय खिलाड़ी वरुण चक्रवर्ती ने भी कसी हुई गेंदबाजी की, जबकि अक्षर पटेल ने तादिवानाशे मारुमानी का अहम विकेट लिया।

बल्लेबाजी में भी दम

संजू सैमसन को इस बार प्लेइंग इलेवन में मौका मिला था, जो 24 रन बनाकर आउट हो गए। संजू ने लगातार फ्लॉप चल रहे अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 22 गेंदों पर 48 रन जोड़े। इसके बाद अभिषेक शर्मा (55 रन) ने ईशान किशन के साथ न सिर्फ पारी को आगे बढ़ाया बल्कि तेजी से रन भी बटोरे। दोनों के बीच अगले 7 ओवर में 72 रन की साझेदारी हुई। ईशान किशन ने 38 रन की पारी खेली।

कप्तान सूर्यकुमार ने भी अच्छे हाथ दिखाए और 3 चौके और 2 छक्कों की मददसे 13 गेंदों में 33 रन जड़ दिए। हालांकि मैच का आनंद तब आया जब हार्दिक पंड्या (23 गेंदों पर 50 रन) और तिलक वर्मा (16 गेंद में 44 रन) 31 गेंदों पर 84 रन जोड़ डाले।

इस बल्लेबाजी वर्चस्व से भारत ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा और टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया।

अब वेस्टइंडीज से निर्णायक भिड़ंत

इस जीत से भारत का नेट रन रेट बेहतर हुआ और टीम की अभियान पटरी पर लौट आया। अब 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला 'वर्चुअल नॉकआउट' होगा। इस मैच का विजेता सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाएगा।

भारत के लिए जीत का अंतर भले ही बड़ा रहा हो, लेकिन गेंदबाजी संयोजन में सुधार की जरूरत स्पष्ट दिखी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन इन पहलुओं पर खास ध्यान देगा।

अंडर-19 महिला ट्राई-सीरीज़ के लिए ऑस्ट्रेलियाई कोचिंग स्टाफ़ में शामिल हुई मेग लेनिंग

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज क्रिकेटर मेग लेनिंग अगले महीने क्वींसलैंड में आयोजित होने वाली अंडर-19 महिला त्रिकोणीय शृंखला में ऑस्ट्रेलिया के सहयोगी स्टाफ से जुड़ेंगी। इस बात की जानकारी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को दी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से वर्ष 2023 में संन्यास लेने वाली मेग लेनिंग इस श्रृंखला में विकास कोच की भूमिका निभाएंगी। यह त्रिकोणीय श्रृंखला 30 मार्च से 18 अप्रैल तक ब्रिस्बेन और गोल्ड कोस्ट में खेली जाएगी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के अलावा इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी भाग लेंगी। मेग लेनिंग मुख्य कोच क्रिस्टन बीम्स के साथ कार्य करेंगी। सहयोगी कोच के रूप में लीसा कीटली और क्लाइव रोज़ भी टीम से जुड़े रहेंगे। यह कोचिंग में लेनिंग की दूसरी पारी होगी। इससे पहले वह पिछले वर्ष आयोजित लेनिंग बनाम पेरी श्रृंखला में सहायक भूमिका निभा चुकी हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टीम की भी घोषणा की है। चयनित खिलाड़ियों में कई ऐसी प्रतिभाएं शामिल हैं, जो पहले ही सीनियर घरेलू क्रिकेट में पदार्पण कर चुकी हैं। यह सभी खिलाड़ी वर्ष 2027 में बांग्लादेश और नेपाल में आयोजित होने वाले अंडर-19 महिला विश्व कप के लिए चयन के पात्र होंगी। मुख्य कोच क्रिस्टन बीम्स ने बयान में कहा कि युवा चयन पैनल ने श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए संतुलित और मजबूत टीम का चयन किया है। उन्होंने कहा कि इस गर्मी में सभी 14 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है और आगामी अंडर-19 विश्व कप अभियान को ध्यान में रखते हुए पात्र खिलाड़ियों को अवसर देना महत्वपूर्ण था। उनके अनुसार यह श्रृंखला ऑस्ट्रेलिया की उभरती प्रतिभाओं को दो मजबूत टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता दिखाने का बेहतरीन मंच प्रदान करेगी। राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपनी प्रतिभा विकास प्रणाली को मजबूत करने और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह टीम श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ इस अवसर का पूरा लाभ उठाएगी।

'बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं', युवराज सिंह ने की अभिषेक शर्मा की तारीफ

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 के अपने दूसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत हासिल की। इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक लगाया। पूर्व ऑलराउंडर और अभिषेक के मेंटर माने जाने वाले युवराज सिंह ने उनकी पारी की तारीफ की है। युवराज सिंह ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'सबसे अच्छी बातचीत तब होती है जब आप बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं। अच्छी पारी, सर अभिषेक, कोशिश करते रहो।' अभिषेक शर्मा जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले तक पूरे विश्व कप में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। ग्रुप स्टेज के तीन मैचों में लगातार शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 के पहले मैच में 15 रन बना सके थे। उनकी खराब फॉर्म ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी थी। अभिषेक की खराब फॉर्म की वजह से भारतीय टीम को हर मैच में खराब शुरुआत मिल रही थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले अभिषेक को प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप किए जाने की चर्चा भी चल रही थी, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा करते हुए मौका दिया। अभिषेक ने इस बार निराश नहीं किया। संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे अभिषेक ने पहले कुछ गेंदें सेट होने के लिए लीं, लेकिन एक बार नजरें जमने के बाद फिर अपने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 30 गेंदों पर 4 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 55 रन की पारी खेली।

ईस्ट बंगाल और जमशेदपुर लगातार तीसरी जीत की तलाश में, पंजाब की नज़र बेंगलुरु के खिलाफ वापसी पर

एजेंसी

कोलकाता/बेंगलुरु। ईस्ट बंगाल एफसी शाम कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में इंडियन सुपर लीग 2025-26 सीज़न के मैच 16 में जमशेदपुर एफसी से भिड़ेगी। मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे होगी। जबकि दूसरे मैच में बेंगलुरु एफसी, बेंगलुरु स्थित श्री कांतीरवा स्टेडियम में पंजाब एफसी की मेजबानी करेगा। इस मैच की शुरुआत शाम 19:30 बजे होगी। ईस्ट बंगाल एफसी अपनी पिछली भिड़ंत में स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली पर 4-1 की शानदार जीत के बाद तालिका में शीर्ष स्थान पर काबिज है। एडमंड लालरिंदिका, मिगेल फिगुएरा और यूसुफ एजेज्जारी (दो गोल) की बदौलत रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने आसान जीत दर्ज की।

दोनों टीमों ने अपने शुरुआती दो मुकाबलों में छह-छह अंक अर्जित किए हैं। ऐसे में इस मुकाबले का विजेता अस्थायी रूप से तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करेगा। घरेलू मैदान पर जीत की लय बरकरार रखने की आवश्यकता पर ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच ऑस्कर ब्रूज़ोन ने कहा, 'हमारा सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य तीन अंक हासिल करना है, लेकिन हम यह अपने खेल की पहचान और उच्च स्तर के प्रदर्शन के साथ करेंगे। जमशेदपुर ट्रांज़िशन में मजबूत है, सेट-पीस पर खतरनाक है और बेहद संगठित टीम है, इसलिए हमें पूरे 90 मिनट एकाग्र और अनुशासित रहना होगा।' मिडफील्डर साउल क्रेस्पो ने कहा, 'वे एक मजबूत टीम हैं। हम उनके कुछ खिलाड़ियों और उनकी गुणवत्ता को जानते हैं। उनके कोच से भी परिचित हैं। यह कठिन मुकाबला होगा, लेकिन इस सीज़न में हम एक टीम के रूप में आत्मविश्वास से भरे

हुए हैं। हमने शानदार शुरुआत की है और घरेलू दर्शकों के समर्थन से इसी लय को जारी रखना चाहते हैं।' जमशेदपुर एफसी फिलहाल छह अंकों के साथ गोल अंतर के आधार पर चौथे स्थान पर है। 'मेन ऑफ स्टील' ने अपने पिछले मुकाबले में पंजाब एफसी को 1-0 से हराया था, जिसमें विंसी बारेटो ने 78वें मिनट में निर्णायक गोल किया। टीम ने लगातार दूसरी क्लीन शीट दर्ज की और अब वे अपनी मजबूत रक्षात्मक संगठन क्षमता को बरकरार रखते हुए आक्रामक शुरुआत करने वाली ईस्ट बंगाल टीम का सामना करेंगे। ईस्ट बंगाल के घरेलू समर्थन को स्वीकार करते हुए जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच ओवेन कॉयल ने कहा, 'कोलकाता में ईस्ट बंगाल के खिलाफ यह बड़ा मुकाबला है। वे शानदार इतिहास और इस सीज़न भारी निवेश वाली टीम हैं। ऑस्कर ब्रूज़ोन मेरे अच्छे मित्र और बेहतरीन कोच हैं, लेकिन मैच के दौरान हम दोनों जीत के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उनके पास मजबूत भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और प्रतिभाशाली विदेशी खिलाड़ी हैं। हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'हमेशा तीन-चार गोल करना जरूरी नहीं होता; अनुशासन, कड़ी मेहनत और परिणाम हासिल करना महत्वपूर्ण है। दो मैचों में छह अंक और दो क्लीन शीट इस टीम के चरित्र को दर्शाते हैं।' मिडफील्डर प्रणय हलदर ने कहा, 'ड्रेसिंग रूम का मनोबल बहुत ऊंचा है। हम एक-दूसरे और अपने कोचिंग स्टाफ पर भरोसा करते हैं। यदि हम इसी मानसिकता और जुझारूपन के साथ आगे बढ़ते रहे, तो इस सीज़न कुछ खास हासिल कर सकते हैं।' ईस्ट बंगाल जहां घरेलू मैदान पर खेल की गति नियंत्रित करना चाहेगी, वहीं जमशेदपुर कॉम्पैक्ट रहते हुए ट्रांज़िशन का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

एनएमडीसी-आईआईटी हैदराबाद में करार, खनन अनुसंधान और खोज को मिलेगी दिशा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की जिम्मेवार खनिक एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र ने भारत के खनिज और धातु क्षेत्र के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में हैदराबाद के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस्पात मंत्रालय ने जानकारी दी कि खनिज प्रसंस्करण और संबद्ध क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक (आरएंडडी) संजीव साही और आईआईटी हैदराबाद के डीन (प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श) ने आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रो. बी. एस. मूर्ति की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य खनन और धातुकर्म क्षेत्र में नवाचार, स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास और टिकाऊ औद्योगिक समाधान को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के अनुसार यह साझेदारी फील्ड की विशेषज्ञता और अकादमिक उत्कृष्टता के बीच एक मजबूत सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है। इस सहयोग के तहत दोनों संस्थान लौह अयस्क बेनीफिशिएशन और एग्लोमेरेशन, हरित इस्पात निर्माण प्रौद्योगिकियों, स्वदेशी कच्चे माल पर आधारित वैकल्पिक लौह निर्माण और खनन-धातुकर्म प्रक्रियाओं के उन्नत मॉडलिंग एवं सिमुलेशन में अनुसंधान को आगे बढ़ाएंगे।

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के मुंबई के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से संबंधित बैंक ऑफ बड़ौदा ऋण मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास और कार्यालय में तलाशी ली। यह कार्रवाई 2,220 करोड़ रुपये से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में की गई है।सीबीआई के अनुसार बैंक ऑफ बड़ौदा की 24 फरवरी 2026 की शिकायत पर रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, उसके प्रमोटर एवं पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक से लिए गए ऋण को संबंधित पक्षों के साथ फर्जी लेनदेन दिखाकर डायवर्ट और दुरुपयोग किया। कंपनी के खातों में हेरफेर किया गया और अनियमितताओं को छिपाया गया। इससे बैंक ऑफ बड़ौदा को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।सीबीआई के मुताबिक यह खाता वर्ष 2017 में ही एनपीए घोषित कर दिया गया था। हालांकि, अनिल अंबानी द्वारा बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर याचिका के बाद खाते को धोखाधड़ी घोषित करने पर रोक लगी थी। यह रोक 23 फरवरी 2026 को हटने के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने शिकायत दर्ज कराई और सीबीआई ने तुरंत मामला दर्ज किया।

चावल, चीनी मजबूत, गेहूं के भाव टूटे, दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली । घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ चीनी भी मजबूत हुई। गेहूं की कीमतों में गिरावट रही। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 11 रुपये बढ़कर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं का भाव छह रुपये घटकर 2,838 रुपये प्रति क्विंटल रहा। आटा भी सात रुपये सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में मिश्रित रुख देखा गया। तुअर दाल की औसत कीमत 28 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 17 रुपये और मूंग दाल 12 रुपये मजबूत हुई। मसूर दाल की कीमत 15 रुपये और उड़द दाल की नौ रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 48 रिंगिट टूटकर 4,005 रिंगिट प्रति टन पर रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.84 प्रतिशत की गिरावट में 60.16 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 70 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल भी 14 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल 42 रुपये और वनस्पति 16 रुपये सस्ता हुआ। पाम ऑयल आठ रुपये और सोया तेल चार रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव लगभग स्थिर रहे। चीनी चार रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई।

दूरसंचार कंपनियों का तीसरी तिमाही का राजस्व 34 अरब डॉलर के पार: रिपोर्ट

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घरेलू दूरसंचार कंपनियों का राजस्व साल-दर-साल आठ प्रतिशत बढ़कर 34 अरब डॉलर (लगभग तीन लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच गया। पूंजी बाजार एवं निवेश समूह सीएलएसए की एक रिपोर्ट में भारतीय दूरसंचार प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के हवाले से कहा गया है कि तिमाही के दौरान भारती एयरटेल का राजस्व सालाना आधार पर नौ प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया का दो प्रतिशत बढ़ा। रिलायंस जियो के राजस्व में 11 प्रतिशत की सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी। देश के दूरसंचार क्षेत्र के कुल राजस्व में इन तीनों कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 95 प्रतिशत रही। एक साल पहले के मुकाबले रिलायंस जियो की राजस्व हिस्सेदारी सबसे अधिक 123 आधार अंक (1.23 प्रतिशत) बढ़कर 42.5 प्रतिशत हो गयी। एयरटेल की राजस्व हिस्सेदारी (39 आधार अंक) बढ़कर 39.5 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

एफआईआई को फिर पसंद आने लगा भारतीय शेयर बाजार, फरवरी में विदेशी निवेशकों ने जमकर की खरीदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 2025 के दौरान लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने रहे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर दिलचस्पी बढ़ती हुई नजर आने लगी है। फरवरी महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अभी तक करीब 244 करोड़ डॉलर की खरीदारी की है। इसमें सेकेंडरी मार्केट में विदेशी निवेशकों ने अभी तक करीब 214.05 करोड़ डॉलर की खरीदारी की है। वहीं प्राइमरी मार्केट में विदेशी निवेशकों ने 29.90 करोड डॉलर का शुद्ध निवेश किया है। इस तरह फरवरी का महीना घरेलू शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले 17 महीना के दौरान विदेशी निवेशकों के लिए सबसे अधिक मासिक निवेश वाला महीना बन गया है। इसके पहले सितंबर 2024 में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सेकेंडरी और प्राइमरी मार्केट मिला कर एक महीने में 595 करोड डॉलर का निवेश किया था।

शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से आईटी सेक्टर पर जबरदस्त दबाव बना हुआ है, जिसकी वजह से विदेशी निवेशक जमकर बिकवाली कर रहे हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के पहले दो सप्ताह के दौरान ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी चिंताओं के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 121 करोड़ से अधिक मूल्य के आईटी सेक्टर के शेयरों की बिकवाली की है। इस भारी भरकम बिकवाली के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों का नेट इनफ्लो अभी तक लगभग 244 करोड़ डॉलर का हो चुका है।

जहां तक घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों द्वारा की जा रही खरीदारी की बात है, तो प्राइमरी मार्केट में आईपीओ के जरिए विदेशी निवेशक अक्टूबर 2023 के बाद से ही लगातार खरीदारी करते रहे हैं। वहीं सेकेंडरी मार्केट में जुलाई 2025 के बाद पहली बार फरवरी के इस महीने में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली से अधिक खरीदारी की है। इसके पहले अक्टूबर 2025 में कुल आठ कारोबारी दिनों के दौरान विदेशी निवेशक लिवाल (नेट बायर) की भूमिका में नजर आए थे। उसके बाद विदेशी निवेशक लगातार बिकवाल (नेट सेलर) की भूमिका में ही बने रहे। अगर आंकड़ों की बात करें, तो जुलाई 2025 से लेकर जनवरी 2026 के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सेकेंडरी मार्केट से लगभग 2,000 करोड़ डॉलर की निकासी की। दूसरी ओर, इसी अवधि में उन्होंने प्राइमरी मार्केट के जरिए 641 करोड़ डॉलर का निवेश भी किया। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अक्टूबर 2024 के बाद से दिसंबर 2025 तक घरेलू शेयर बाजार बिकवाली के दबाव का सामना करता रहा। इसकी वजह से ज्यादातर प्रमुख कंपनियों के शेयरों का वैल्यूएशन काफी आकर्षक हो गया है। इसके साथ ही रुपये के मूल्य में आई कमजोरी की वजह से भी विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए भारतीय कंपनियों के शेयर तुलनात्मक तौर पर सस्ते हो गए हैं। एक बड़ी बात यह भी है कि पिछले लगभग डेढ़ साल की अवधि में जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और ताइवान की तुलना में कमजोर परफॉर्मेंस देने के बाद अब भारतीय बाजार का रीअसेसमेंट हो रहा है।

डब्ल्यूटीओ जुलाई में करेगा भारत की आठवीं व्यापार नीतियों की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) इस साल जुलाई में भारत की आठवीं व्यापार नीति की समीक्षा करेगा। इस दौरान सदस्य देशों की तरफ से भारत की व्यापार नीतियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि व्यापार नीतियों की जुलाई में समीक्षा से पहले सीमा शुल्क आयोग के सदस्य के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूटीओ में भारत के डिजिटल कस्टम सुधारों और व्यापार सुगमता समझौते (टीएफए) के क्रियान्वयन को प्रस्तुत किया। मंत्रालय के मुताबिक इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य (सीमा शुल्क) सुरजीत भुजबल ने किया।

इसके पहले भारत की सातवीं व्यापार नीति समीक्षा जनवरी, 2021 में जिनेवा स्थित डब्ल्यूटीओ में की गई थी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि सीबीआईसी और भारत के स्थायी मिशन ने 24 फरवरी को डब्ल्यूटीओ में विशेष व्यापार सुगमता सत्र आयोजित किए थे। जिनेवा में आयोजि इन सत्रों में लगभग 40 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिससे भारत के अनुभव और बेहतर व्यवहार में व्यापक रुचि दिखाई दी। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने डब्ल्यूटीओ के व्यापार सुगमता समझौते के तहत अपनी 100 फीसदी प्रतिबद्धताओं को तय समय-सीमा के भीतर अधिसूचित कर दिया है। इसके बाद अब देश 'टीएफए प्लस' उपायों की ओर बढ़ रहा है, जो राष्ट्रीय व्यापार सुगमता कार्ययोजना (एनटीएफएपी 3.0) के तहत न्यूनतम मानकों से आगे जाकर वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप सुधारों पर केंद्रित हैं।

उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने की 1.08 लाख करोड़ की कमाई

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज दिनभर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद से ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई। दिन के पहले सत्र में तेजड़िये हावी होते रहे, वहीं दूसरे सत्र में मंदड़ियों ने अपना जोर बना दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी ने 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसके अलावा फार्मास्यूटिकल, टेलीकॉम, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मीडिया, पावर और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 468.46 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.38 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.08 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,356 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,170 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,030 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 156 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,921 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,481 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,440 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 142.71 अंक की मजबूती के साथ 82,418.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने का भाव मामूली बढ़ा, चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना के भाव में मामूली तेजी नजर आ रही है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज सांकेतिक गिरावट देखी गई। सोना आज 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसके विपरीत चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली आई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,61,900 रुपये से लेकर 1,62,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,410 रुपये से लेकर 1,48,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,050 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,61,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-27 में 6.8-7.2 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद: ईवाई रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था की विकास दर वित्त वर्ष 27 में 6.8 प्रतिशत से लेकर 7.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। इसकी वजह देश का बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करना, अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र द्वारा आर्थिक सुधारों को लागू करना है। यह जानकारी ईवाई की ताजा रिपोर्ट में दी गई। ईवाई इंडिया के चीफ पॉलिसी एडवाइजर डीके श्रीवास्तव ने कहा कि दुनिया के प्रमुख आर्थिक समूहों और अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार समझौते से, देश के मध्यम अवधि में विकास की संभावनाएं बढ़ गई हैं। विश्लेषण में कहा गया कि सरकार के दीर्घकालिक 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कर-से-जीडीपी अनुपात में निरंतर वृद्धि की आवश्यकता होगी, जो मुख्य रूप से नए संरचनात्मक सुधारों के बजाय मजबूत अनुपालन के माध्यम से होगा, क्योंकि अधिकांश प्रमुख कर सुधार

पहले ही लागू किए जा चुके हैं। ईवाई इकोनॉमी वॉच रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में प्रमुख कर सुधार किए गए, विशेष रूप से व्यक्तिगत आयकर और जीएसटी ढांचे से संबंधित हैं। इन दोनों सुधारों का उद्देश्य परिवारों की व्यय योग्य आय को बढ़ाना था ताकि निजी उपभोग मांग को समर्थन मिल सके। हालांकि, इसका असर सरकार की आय पर भी पड़ा है, जिसके कारण यह वित्त वर्ष 2026 के बजट अनुमानों से कम रहने की आशंका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आय में इस कमी की आशंका के बावजूद, सरकार से वित्त वर्ष 2026 के लिए बजट में निर्धारित राजकोषीय घाटे के लक्ष्य का पालन करने की व्यापक रूप से उम्मीद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत तक और कम करने का अनुमान लगाया है। सरकार आर्थिक विकास को स्थिरता के साथ सुनिश्चित करने के लिए राजकोषीय समेकन के पथ पर अग्रसर है।

1 फरवरी को अपने बजट भाषण में उन्होंने कहा कि सरकार ने 2025-26 के बजट में राजकोषीय घाटे को 4.4 प्रतिशत तक कम करने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर ली है और अब राजकोषीय विवेक के पथ पर अग्रसर रहते हुए इसे और कम करके 4.3 प्रतिशत तक लाएगी।

उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य आर्थिक गति को बनाए रखने और सार्वजनिक वित्त को स्थिर रखने के बीच संतुलन को दर्शाता है। राजकोषीय घाटा सरकार के कुल व्यय और कुल राजस्व के बीच का अंतर होता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार वित्त वर्ष 2027 में अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए नियत प्रतिभूतियों से 11.7 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध ऋण लेगी, जबकि सकल बाजार ऋण 17.2 लाख करोड़ रुपए आंका गया है।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी का आईपीओ बोली के आखिरी दिन 1.23 गुना सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली के आखिरी दिन 1.23 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित हैं। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार इस इश्यू को 57,06,235 इक्विटी शेयरों के मुकाबले 70,31,776 इक्विटी शेयरों की बोली मिलीं। इसका मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 367-386 रुपये प्रति शेयर था। आंकड़ों के मुताबिक योग्य संस्थागत क्रेता (क्यूआईबी) और खुदरा भाग क्रमशः 1.04 गुना और 1.29 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसी तरह गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) का भाग 1.54 गुना सब्सक्राइब हुआ, जबकि कर्मचारी आरक्षित 6.74 गुना सब्सक्राइब किया गया।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड भारत में अलग-अलग जगहों पर लोकल ब्रांड अवेयरनेस बनाने और अपनी विजिबिलिटी बढ़ाने के लिए 15 नए स्टोर की मार्केटिंग और प्रमोशन करने की योजना बना रही है। इनमें से अधिकांश स्टोर महाराष्ट्र के टियर-1 और कुछ टियर-2 शहरों के साथ-साथ

देशभर के मेट्रो शहरों में खोले जाएंगे। इस स्ट्रैटेजी के हिसाब से कंपनी पूरे भारत में 15 नए ब्रांड-एक्सक्लूसिव स्टोर लॉन्च करने के लिए 286.56 करोड़ रुपये करना चाहती है। ये प्रपोज्ड आउटलेट लीज पर ली गई जगह पर बनाए जाएंगे और कंपनी-ओन्ड, कंपनी-ऑपरेटेड (ब्रांड एक्सक्लूसिव) मॉडल को फॉलो करेंगी। इस स्ट्रक्चर के तहत कंपनी स्टोर फिट-आउट, फिक्स्चर, फर्नीचर और उससे जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पर कैपिटल खर्च करेगी, जबकि स्टोर ऑपरेशन पूरी तरह से उसके एम्प्लॉई मैनेज करेंगे।

सैमसंग ने भारत में लॉन्च की गैलेक्सी एस26 सीरीज; कीमत 87,999 रुपए से शुरू

एजेंसी

गुरुग्राम । टेक दिग्गज सैमसंग ने घोषणा की कि उसकी फ्लैगशिप गैलेक्सी एस26 सीरीज अब भारत में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। इसकी शुरुआती कीमत 87,999 रुपए है, जबकि टॉप मॉडल गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा की कीमत 1,89,999 रुपए तक जाती है। गैलेक्सी एस26 सीरीज में गैलेक्सी एस26, गैलेक्सी एस26+ और गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि यह नई सीरीज अब तक का सबसे उन्नत 'एजेंटिक एआई' मोबाइल अनुभव प्रदान करती है, जो रोजमर्रा के कामों को आसान और समझदार बनाती है। इन स्मार्टफोन्स का उद्देश्य शेड्यूल मैनेज करना, जानकारी खोजना, कंटेंट कैप्चर करना और फोटो-वीडियो एडिट करने जैसे कामों को कम मेहनत में पूरा करना है। गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा की कीमत 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट के लिए 1,39,999 रुपए है, जबकि 12 जीबी + 512 जीबी मॉडल की कीमत 1,59,999 रुपए है। वहीं, 16 जीबी + 1 टीबी वेरिएंट 1,89,999 रुपए में मिलेगा।

गैलेक्सी एस26+ की कीमत 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट के लिए 1,19,999 रुपए से शुरू होती है, जबकि 12 जीबी + 512 जीबी मॉडल 1,39,999 रुपए में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी एस26 की कीमत 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट के लिए 87,999 रुपए है, जबकि 12 जीबी + 512 जीबी वर्जन 1,07,999 रुपए में मिलेगा। गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए प्री-ऑर्डर 25 फरवरी से देश भर के प्रमुख ऑनलाइन और ऑफलाइन रिटेल स्टोर्स पर शुरू हो गए हैं। ग्राहक कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर सैमसंग लाइव के जरिए भी प्री-ऑर्डर कर सकते हैं। ये स्मार्टफोन कोबाल्ट वायलेट, व्हाइट, ब्लैक और स्काई ब्लू रंगों में उपलब्ध हैं। इसके अलावा सैमसंग डॉट कॉम पर एक्सक्लूसिव पिंक गोल्ड और सिल्वर शैडो कलर ऑप्शन भी मिलेंगे। गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा में कंपनी ने दावा किया है कि यह मोबाइल फोन में इंडस्ट्री का पहला इन-बिल्ट प्राइवेसी डिस्प्ले लेकर आया है, जो साइड एंगल से स्क्रीन की दृश्यता कम करके यूजर डेटा की सुरक्षा करता है। इस डिवाइस में गैलेक्सी के लिए कस्टमाइज्ड स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म प्रोसेसर दिया गया है, जो सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू की बेहतर परफॉर्मेंस के साथ स्मूद मल्टीटास्किंग और मजबूत ऑन-डिवाइस एआई क्षमता प्रदान करता है।अधिक इस्तेमाल के दौरान फोन को ठंडा रखने के लिए गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा में नया डिजाइन किया गया है, जिसमें वेपर चेंबर और बेहतर थर्मल मैटेरियल दिए गए हैं।

यह सुपर-फास्ट चार्जिंग 3.0 को सपोर्ट करता है, जिससे कंपनी के अनुसार, बैटरी लगभग 30 मिनट में 75 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है।

कैमरे की बात करें तो, गैलेक्सी एस26 सीरीज में एआई पावर्ड फोटोग्राफी और वीडियो पर खास ध्यान दिया गया है।

बैंक में नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं को लिए 116 पदों पर निकली भर्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। खास खबर सरकारी बैंक में नौकरी का सपना देखकर तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर हैं। स्टेट बैंक आफ इंडिया ने स्पेशलिस्ट कैडर आफिसर के 100 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकाली है। जिसमें असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट के लिए 12 पद, डिप्टी मैनेजर के लिए 43 पद और डिप्टी मैनेजर के लिए 61 पदों पर भर्ती निकाल गई है। जिसके लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

ये है योग्यता:

असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट के लिए 50फीसदी स्कोर के साथ बीई, बीटेक, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, एमटेक डिग्री। 6 साल का वर्किंग एक्सपीरियंस जरूरी। डिप्टी मैनेजर (CA) और डिप्टी मैनेजर (IS ऑडिट) के लिए बीई, बीटेक, बीएससी, कम्प्यूटर साइंस, एमटेक डिग्री। 3 साल का

वर्किंग एक्सपीरियंस।

आयु सीमा:

असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट : 27 - 45 साल डिप्टी मैनेजर (CA) और डिप्टी मैनेजर (IS ऑडिट) : 25 - 35 साल सैलरी : 64,820 - 50 लाख रुपए प्रतिमाह, अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

फीस:

जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 750 रुपए, एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी :

नि:शुल्क ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाएं। न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें। नाम, पासवर्ड के साथ लॉग इन करें। फॉर्म में पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर और अन्य डॉक्यूमेंट्स अटैच करें। फीस का भुगतान करके फॉर्म प्रिव्यू और सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का रुपये 1087 करोड़ का आईपीओ 4 मार्च से खुलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल तकनीक की दिग्गज कंपनी सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ (IPO) के विवरण साझा कर दिए हैं। यह इश्यू निवेश के लिए बुधवार, 4 मार्च 2026 को खुलेगा और 6 मार्च तक सक्रिय रहेगा। कंपनी ने प्रति शेयर रुपये 1,287 से रुपये1,352 का प्राइस बैंड तय किया है। ऊपरी मूल्य सीमा पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन करीब रुपये6,000 करोड़ आंका गया है। एंकर निवेशकों के लिए यह बोली 2 मार्च को ही शुरू हो जाएगी, जिससे बाजार में इस इश्यू को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। यह रुपये1,087 करोड़ का आईपीओ पूरी तरह से 'ऑफर फॉर सेल' (OFS) के रूप में आ रहा है, जिसमें मौजूदा प्रमोटर और निवेशक अपनी कुल 80.43 लाख शेयरों की हिस्सेदारी बेच रहे हैं। चूंकि इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया जा रहा है, इसलिए आईपीओ से प्राप्त पूरी धनराशि सीधे शेयरधारकों के पास जाएगी। कंपनी मुख्य रूप से वाहनों के लिए 'सेंसर-लेस कम्यूटेशन' तकनीक और इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिट (EC) बनाने में विशेषज्ञता रखती है।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव के साथ आर्थिक साझेदारी बढ़ाने पर हुई 'बहुत ही सार्थक चर्चा': पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उन्होंने अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए 'बहुत ही सार्थक चर्चा' की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए गोयल ने बताया कि उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य सचिव और भारत में अमेरिकी राजदूत की मेजबानी की और द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बातचीत की। उन्होंने कहा कि चर्चा का मुख्य फोकस भारत और अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ाने और संबंधों को और गहरा करने पर रहा। गोयल ने एक्स पर लिखा, 'अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की मेजबानी की। व्यापार और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए बहुत ही सार्थक चर्चाएं हुईं। ' सर्जियो गोर ने भी इस बैठक को 'प्रोडक्टिव' बताया और कहा, 'हावर्ड लटनिक और पीयूष गोयल के साथ बहुत ही उपयोगी लंच मीटिंग रही। हमारे दोनों देशों के लिए सहयोग के कई क्षेत्र मौजूद हैं। ' यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका मजबूत करने और प्रमुख साझेदार देशों के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाने पर काम कर रहा है।

सरकार भारतीय कारोबारियों के लिए ज्यादा बाजार पहुंच सुनिश्चित करने और उन्हें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने पर जोर दे रही है। इससे पहले गोयल ने कहा था कि भारत 38 देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) कर चुका है, जिससे भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से तक विशेष पहुंच मिली है। उन्होंने बताया कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं, कृषि और मत्स्य उत्पादों तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नए बाजार मिल रहे हैं और प्रतिभा की आवाजाही भी आसान हो रही है। मंत्री के अनुसार, 'आत्मनिर्भर भारत' का उद्देश्य अलग-थलग रहना नहीं है, बल्कि वैश्विक भागीदारी के जरिए मजबूत, भरोसेमंद और विविध आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्यमियों और उद्योग जगत के नेताओं से बार-बार अपील की है कि वे वैश्विक अवसरों को देश भर के एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। हाल ही में मुंबई में आयोजित 'ईवाई एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड' के 27वें संस्करण में गोयल ने कहा था कि भारत की विकास यात्रा में उद्यमी और युवा अहम भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा भारत 'अमृत काल' के दौरान देश को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। फरवरी की शुरुआत में भारत और अमेरिका के बीच एक प्रारंभिक समझौते पर सहमति बनी थी, जिसके तहत अमेरिकी टैरिफ को भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की रूपरेखा तय की गई थी। बदले में भारत ने पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदने की योजना का संकेत दिया था। यह समझौता पहले चरण को औपचारिक रूप देने के साथ व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में आगे की बातचीत का आधार था। हालांकि, हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के आपातकालीन टैरिफ को अमान्य कर दिया, जिससे भारत के लिए बातचीत की नई संभावनाएं बनी हैं। इसके जवाब में भारत ने वॉशिंगटन जाने वाले अपने प्रतिनिधिमंडल की प्रस्तावित यात्रा फिलहाल टाल दी है, जिसका उद्देश्य अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देना था। हालांकि, भारत इस समझौते पर पुनर्विचार नहीं कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत भविष्य में संभावित न्यायिक या एकतरफा टैरिफ फैसलों से बचाव के उपायों पर जोर दे सकता है।

जेन जी आंदोलन के दौरान घटनाओं की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में पिछले वर्ष हुए जेन-जी आंदोलन की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय में ज्ञापन दिया गया है। जेन-जी प्रतिनिधियों ने 6 मार्च तक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है। जेन-जी प्रतिनिधि अमृता बन ने बताया कि गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व वाले जांच आयोग की रिपोर्ट 6 मार्च तक सार्वजनिक करने की मांग करते हुए आज हमने प्रधानमंत्री कार्यालय में चेतावनीपूर्ण निवेदन दर्ज कराया है। न्याय की सुनिश्चितता, दंडहीनता का अंत और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हमारी आवाज निरंतर जारी रहेगी। उनके साथ अमृता बन, पेमा वाङ्बो लामा, माजिद अंसारी, जय गुप्ता और अमित खनाल भी सिंहदरबार पहुंचे थे। इसके बाद नेपाल जेन जी फ्रंट, जेन जी मूवमेंट अलाइंस, काउंसिल ऑफ जेन जी और जेन जी सिविक फोरम ने संयुक्त बयान में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई प्रक्रिया आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। जेन-जी समूहों ने कहा कि अंतरिम सरकार से उनकी अपेक्षा है कि वह केवल चुनाव ही नहीं कराएगी, बल्कि गत वर्ष 8-9 सितंबर को हुए घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर आयोग की प्रतिवेदन सार्वजनिक करेगी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाएगी।

नेपाल-भारत के बीच हुए जैविक विविधता संरक्षण संबंधी द्विपक्षीय समझौता पर हस्ताक्षर

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच जैविक विविधता संरक्षण संबंधी द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भारतीय दूतावास की तरफ से जानकारी दी गई कि नई दिल्ली में नेपाल के वन तथा वातावरण मंत्री माधवप्रसाद चौलागाईं और भारत के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में यह करार हुआ। समझौते पर नेपाल की ओर से राजदूत डॉ. शंकरप्रसाद शर्मा तथा भारत की ओर से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों देशों के उच्च पदस्थ अधिकारी भी उपस्थित थे।नेपाल वन मंत्रालय के प्रवक्ता डॉ. महेश्वर ढकाल ने बताया कि नेपाल और भारत संयुक्त राष्ट्र अंतर्गत जैविक विविधता सहित विभिन्न पर्यावरण संरक्षण संबंधी अंतरराष्ट्रीय संधियों के पक्षकार राष्ट्र हैं। दोनों देशों की साझा सीमा से जुड़े क्षेत्रों में संरक्षित क्षेत्र और जैविक कॉरिडोर मौजूद हैं, जहां हाथी, गैंडा और बाघ सहित कई वन्यजन्तु स्वतंत्र और निर्बाध रूप से सीमा पार आवागमन करते हैं। इस समझौते के माध्यम से दोनों देश संरक्षित क्षेत्रों के प्रबंधन, जैविक विविधता संरक्षण, वन्यजन्तु अपराध नियंत्रण, साझा रणनीति अपनाने तथा क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों की क्षमता विकास में समन्वय और सहयोग बढ़ाने की अपेक्षा कर रहे हैं।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 100 नेपाली नागरिकों को स्वदेश भेजे जाने की तैयारी

काठमांडू। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 100 से अधिक नेपाली नागरिकों को एक साथ स्वदेश भेजने की तैयारी की है। वाशिंगटन डीसी स्थित नेपाली दूतावास ने संबंधित व्यक्तियों की नागरिकता और पहचान का प्रमाणीकरण कर लिया है। दूतावास की तरफ से जानकारी दी गई है कि अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने उन्हें तत्काल काठमांडू भेजने की योजना बनाई थी, लेकिन तकनीकी कारणों से प्रक्रिया में कुछ दिनों की देरी हो रही है। सूची में शामिल अधिकांश लोग वे युवक हैं, जो मेक्सिको के रास्ते अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किए थे। वाशिंगटन डीसी स्थित नेपाली दूतावास के एक अधिकारी ने बताया कि नागरिकों के दस्तावेजों का प्रमाणीकरण दूतावास की नियमित जिम्मेदारी है। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की सूची के आधार पर दूतावास ने उनकी नेपाली नागरिकता की पुष्टि कर दस्तावेज वापस भेज दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिनकी नागरिकता प्रमाणित हो चुकी है, वे अब नेपाल लौटेंगे। चूंकि, अधिकांश अवैध प्रवासियों के पास पासपोर्ट नहीं है, इसलिए उन्हें 'एकतर्फी यात्रा अनुमति पत्र' जारी किए जाने के बाद ही विमान से भेजा जाना है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल संभालने के बाद आव्रजन नीति में कड़ी सख्ती की गई है।

अमेरिकी ट्रेजरी ने ईरान से जुड़े लोगों पर नए प्रतिबंध लगाए, तेल और मिसाइल नेटवर्क पर कार्रवाई

वॉशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने ईरान से जुड़े कई लोगों पर नए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह कदम तब उठाया गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस में अपने स्टेट ऑफ द यूनियन पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई पर हस्ताक्षर किए। ट्रेजरी विभाग के अंतर्गत आने वाले ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी - ओफेक) ने 30 से अधिक व्यक्तियों, कंपनियों और जहाजों को प्रतिबंध सूची में डाला है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ये नेटवर्क अवैध रूप से ईरानी पेट्रोलियम की बिक्री को सक्षम बना रहे थे और ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल तथा उन्नत पारंपरिक हथियार कार्यक्रमों को समर्थन दे रहे थे। ट्रेजरी के बयान में कहा गया है कि कार्रवाई का उद्देश्य उन आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करना है, जो ईरान की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने में मदद करती हैं। ओफेक ने विशेष रूप से उन नेटवर्क को निशाना बनाया है, जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) और ईरान के रक्षा एवं सशस्त्र बल रसद मंत्रालय को मिसाइल और अन्य हथियारों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चा माल और मशीनरी उपलब्ध कराते हैं।

भविष्य नई तकनीक का, इजरायल-भारत दोनों ही इस पर कर रहे काम : नेतन्याहू

एजेंसी

यरूशलम । भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ दो दिवसीय दौरे के आखिरी दिन द्विपक्षीय बैठक की और कई समझौतों पर मुहर लगाई। पीएम नेतन्याहू ने बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य नई तकनीक का है। नई तकनीक को लेकर नेतन्याहू ने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक और एआई की मदद से हर छात्र तक आसानी से पहुंचा जा सकता है और उसे उसकी पूरी क्षमता तक आगे बढ़ने का मौका दिया जा सकता है। पहले जो परेशानियां और सीमाएं थीं, अब वे नहीं रहीं। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य उन्हीं देशों का है जो नई सोच और नए कार्य करने में सक्षम हैं। इजरायल और भारत दोनों ही नए विचार और तकनीक पर जोर दे रहे

हैं। दोनों देश बहुत पुरानी और महान सभ्यताएं हैं, जिन्हें अपने इतिहास पर गर्व है, लेकिन वे भविष्य को बेहतर बनाने के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल मिलकर यह काम और बेहतर तरीके से कर सकते हैं। अपने संबोधन की शुरुआत इजरायली बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी के दिल छूने वाले अंदाज को बयां कर की। उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार दौरा है, एक शानदार विजिट का शानदार अंत। यह छोटी लेकिन बहुत ज्यादा फलदायी और दिल को छूने वाली मुलाकात थी। मुझे लगता है कि कल नेसेट में आपके दिल को छूने वाले बयान के बाद इजरायल में सभी भावुक होंगे। मैं आपको बता सकता हूं कि तब से हमें न केवल अपने दिलों में गहराई से देखने का मौका मिला है, बल्कि हमारे दोनों देशों में मौजूद शानदार दिमागों को देखने का भी मौका मिला है। ' इसके साथ ही नेतन्याहू ने अपने मित्र पीएम मोदी के काम को भी काबिल-ए-तारिफ करार दिया।

बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि आपकी सरकार बेहद कुशल है। आप एक मंत्री और एक राजदूत के साथ जो काम कर सकते हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है। दोनों देशों के बीच जो सोच और दिलों का जुड़ाव यहां देखने को मिला है, वह आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार-से-सरकार सहयोग, जिसका लंबे समय से इंतजार था, अब नई गति पकड़ेगा और इससे दोनों देशों को एक-दूसरे से पहुंचने वाले फायदों में इजाफा होगा।

इजरायली प्रधानमंत्री के बाद भारत के पीएम ने कहा कि भारत जल्द ही इजरायल के साथ पारस्परिक लाभ वाले फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप देगा

फ्रांसीसी अदालत ने ईरानी महिला को 'आतंकवाद के समर्थन' मामले में एक साल की सजा सुनाई

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस की एक अदालत ने ईरान की नागरिक महदीयेह एस्फंदियारी को आतंकवाद का समर्थन करने से जुड़े मामले में एक वर्ष की कारावास की सजा सुनाई है। 39 वर्षीय एस्फंदियारी को सजा के साथ-साथ फ्रांस की सरजमीं पर स्थायी प्रतिबंध (परमानेंट बैन) भी लगाया गया है। अदालत में मौजूद मीडिया प्रतिनिधियों के अनुसार, यह मामला उन बयानों से जुड़ा है जिन्हें न्यायालय ने आतंकवादी गतिविधियों के समर्थन या औचित्य ठहराने की श्रेणी में माना। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि ऐसे बयान फ्रांस के आतंकवाद-रोधी कानूनों का उल्लंघन करते हैं। विशेषज्ञों और पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह मामला कूटनीतिक स्तर पर भी संवेदनशील हो सकता है। कुछ विश्लेषकों के अनुसार, एस्फंदियारी को ईरान में हिरासत में रखे गए दो

फ्रांसीसी नागरिकों सेसिल कोहलर और जैक्स पेरिस की रिहाई से जुड़ी संभावित बातचीत में एक 'बातचीत के कार्ड' के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, फ्रांसीसी अधिकारियों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

डोनाल्ड डैश : महामंदी के बाद अमेरिकी लोगों का बड़ी संख्या में पलायन, डेटा में सामने आ रही सच्चाई

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका में एक बड़ा भौगोलिक बदलाव देखने को मिल रहा है। फाइनेंशियल डेली रिपोर्ट के अनुसार, बड़ी संख्या में अमेरिका के लोग अपना देश छोड़कर जा रहे हैं। महामंदी के बाद पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है। ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन के अनुमान के अनुसार, पिछले साल अमेरिका से करीब 1.5 लाख लोगों का शुद्ध माइग्रेशन दर्ज किया गया, और 2026 में इस संख्या के बढ़ने की संभावना है। वहीं, द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट बताती है कि 2025 में कुल इन-माइग्रेशन घटकर 26 से 27 लाख के बीच रह गया, जबकि 2023 में यह आंकड़ा करीब 60 लाख था।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने 15 देशों के 2025 के पूरे या आंशिक डेटा का विश्लेषण किया, जिसमें पाया कि कम से कम 1,80,000 अमेरिकी उन देशों में चले गए। पूरे आंकड़े आने के बाद यह संख्या और भी ज्यादा होने की संभावना है। ऐसा कोई एक समग्र डेटासेट उपलब्ध नहीं है, जो विदेशों में रह रहे अनुमानित 40 से 90 लाख अमेरिकियों की पूरी तस्वीर पेश कर सके। अमेरिकी राज्य विभाग के अनुसार, 2022 में मेक्सिको में लगभग 16 लाख अमेरिकी निवास कर रहे थे, जबकि कनाडा में उनकी संख्या 2.5 लाख से अधिक थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ब्रिटेन में 3.25 लाख से ज्यादा अमेरिकी रहते हैं, जो यूरोप में बसे 15 लाख से अधिक अमेरिकियों का हिस्सा हैं।

पुर्तगाल में, कोरोना महामारी के बाद से अमेरिकी निवासियों की संख्या 500 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। अकेले 2024 में यह 36 फीसदी बढ़ी। आयरलैंड ने 2025 में 10,000 अमेरिकियों का स्वागत किया, जो पिछले साल से लगभग दोगुना है। फाइनेंशियल डेली ने कहा कि पिछले साल जर्मनी से यूएस जाने वाले लोगों से ज्यादा का आंकड़ा अमेरिका में रहने वाले लोगों के जर्मनी जाने का है। रिलोकेशन फर्मों का कहना है कि डिमांड बढ़ रही है। हाल ही में एक्सपैट्सी की तरफ से आयोजित किए गए एक कॉन्फ्रेंस कॉल में, लगभग 400 अमेरिकियों ने अल्बानिया में शिफ्ट होने का तरीका सीखने के लिए हामी भरी।

एक्सपैट्सी की फाउंडर जेन बार्नेट के हवाले से कहा गया, 'पहले, जो अमेरिकी देश छोड़कर जा रहे थे, वे सुपर-एडवेंचरस और अच्छे क्रेडेंशियल वाले थे। अब वे मेरी तरह आम लोग हैं। '

उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य 10 लाख अमेरिकियों को मूव कराना है। कुछ टिप्पणीकारों ने इस ट्रेंड को 'डोनाल्ड डैश' नाम दिया है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में इन आंकड़ों में तेजी आई। इसलिए इसे 'डोनाल्ड डैश' नाम दिया गया है। हालांकि, लोगों के अमेरिका से जाने का सिलसिला पहले से जारी है। इसका मुख्य कारण रिमोट वर्क, रहने का बढ़ता खर्च और लाइफस्टाइल की पसंद हैं।

बांग्लादेश: बरिशाल में न्यायिक सेवाएं ठप, लोग परेशान

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश के बारिशाल जिले में कई वादी परेशान हैं। अदालतों के चक्कर लगा रहे हैं। दरअसल, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष समेत 12 वकीलों की गिरफ्तारी के विरोध में तीन दिनों से अदालती कार्यवाही ठप है और शिकायतकर्ता बेहाल हैं। स्थानीय मीडिया ने वादियों की ये परेशानी साझा की है। जिला और सत्र न्यायालय कोर्ट समेत सभी अदालतों में न्यायिक सेवाएं बंद रहीं, इसलिए सुबह कोर्ट पहुंचे कई वादी बैरंग लौट गए। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि केस लड़ने वालों में से एक, सबुज हवलदार, दोपहर तक अपने केस के दस्तावेज लेकर एक कोर्टरूम से दूसरे कोर्टरूम जाते देखे गए।

बांग्लादेश के जाने-माने अखबार द डेली स्टार के अनुसार, कोर्ट कैंपस में रिपोर्टर्स से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि तीन महीने और 10 दिन पहले तीन लोगों के खिलाफ विमेन एंड चिल्ड्रन रिप्रेशन प्रिवेंशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था, जिसमें अकबर अली हवलदार भी शामिल था, जो अभी बेल पर है।

सबुज ने कहा, 'जब हमने बेल के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, तो हमें निचली अदालत में जाने का निर्देश दिया गया। लेकिन पिछले तीन दिनों से कोर्ट का काम रुका हुआ है। मैं बेल पिटीशन फाइल

नहीं कर पाया हूं। ' उन्होंने आगे कहा कि बेल आवेदन जमा करने की अवधि रविवार को खत्म हो रही है।

उन्होंने कहा, 'शुक्रवार और शनिवार को छुट्टी होने की वजह से, गुरुवार असल में आखिरी वर्किंग डे था। लेकिन क्योंकि कोर्ट काम नहीं कर रहे हैं, इसलिए मैं बहुत परेशान हूं। ' वकीलों के मुताबिक, बुधवार को बरिशाल जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सादिकुर रहमान लिंकन और 11 दूसरे वकीलों के खिलाफ स्पीडी ट्रायल एक्ट के तहत कोर्टरूम में तोड़फोड़ और जज को धमकाने के आरोप में केस दर्ज किया गया था।

मंगलवार दोपहर को, कथित तौर पर लिंकन की लीडरशिप में प्रदर्शन कर रहे वकीलों के एक गुट ने एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट) के कोर्टरूम में तोड़फोड़ की, जिसका सीसीटीवी फुटेज बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह केस एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट के बेंच सहयोगी राजीब मजूमदार ने दर्ज कराया था, जिसके बाद लिंकन को उसी दोपहर गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया। सुबह, प्रदर्शन कर रहे वकीलों ने उनकी तुरंत बेल पर रिहाई की मांग की और धमकी दी कि अगर उन्हें दिन में रिहा नहीं किया गया तो वे कोर्ट का काम अनिश्चित काल के लिए रोक देंगे। द डेली स्टार ने नाम न बताने की शर्त पर प्रदर्शन कर रहे एक वकील के हवाले से कहा, 'बरिशाल में 72 घंटे से कोर्ट का काम रुका हुआ है। केस करने वाले परेशान हैं, लेकिन जब वकील खुद अन्याय का सामना कर रहे हैं, तो हम कुछ नहीं कर सकते। '

हिब्रू में पीएम मोदी का संदेश, 'जय हिंद' से हर्जोग ने दिया दिल जितने वाला जवाब

एजेंसी

यरूशलम । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को इजरायली राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग के अनुसार 'भारत और इजरायल की जनता साथ मिलकर अधिक सशक्त है।' उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भावनाएं व्यक्त कीं, जिसमें पीएम मोदी हिब्रू बोलते हैं और वे जवाब में 'जय हिंद' कहते सुने और देखे जा सकते हैं। दोनों का मतलब एक ही है! दस सेकंड के वीडियो क्लिप में पीएम मोदी कहते हैं- ' एम इजरायल खाई (अमर रहे इजरायल की जनता)।' भारत के प्रधानमंत्री का ये अभिवादन सुन हर्जोग फूले नहीं समाते और कहते हैं, 'आप अद्भुत हैं, और आपके आम इजरायल खाई के जवाब में मैं कहूंगा जय हिंद।' प्रधानमंत्री मोदी ने हर्जोग के पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए उनकी बात से सहमति जताते हुए कहा, 'राष्ट्रपति, मैं आपकी बात से पूर्णत सहमत हूं।' इसके साथ ही पीएम ने इस मुलाकात के दौरान टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स

और ऐसे ही क्षेत्रों के स्कोप को लेकर बातचीत की। पीएम मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत साथ में पौधा लगाने पर उनका शुक्रिया भी अदा किया। पीएम मोदी ने अपने अकाउंट से एक और पोस्ट साझा की। इसमें 'वर्ल्ड होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस सेंटर' 'याद वाशेम' में अर्पित की गई श्रद्धांजलि का ब्योरा है। उन्होंने इस अद्भुत विजिट के लिए प्रधानमंत्री नेतन्याहू को धन्यवाद दिया। भारत के पीएम ने होलोकॉस्ट को इंसानी इतिहास के सबसे काले चैप्टर्स में से एक बताया और कहा कि यह मानवता, गरिमा और शांति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देने वाला मेमोरियल है।पीएम मोदी की दो दिवसीय यात्रा समाप्त हो रही है। पिछले दो दिनों में भारत-इजरायल के अटूट संबंधों और गहरी साझेदारी को लेकर बहुत सकारात्मक रुख दोनों ओर से दिखा।

बुधवार को पीएम को इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने एयरपोर्ट पर रिसीव किया। इसके बाद पीएम मोदी ने इजरायली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। वे इजरायली संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' से भी नवाजा गया। अपने संबोधन में नेतन्याहू ने पीएम मोदी को अपना 'सच्चा मित्र' और 'मित्र से बढ़कर भाई' तक बताया। नेतन्याहू ने भारत के प्रधानमंत्री को दुनिया का महान नेता बताते हुए 'मोदी हग' का भी जिक्र किया।

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण को 'झूठ से भरा' बताया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण की कड़ी आलोचना करते हुए झूठा बताया। साथ ही ट्रंप पर अर्थव्यवस्था, मतदान के अधिकार और ईरान के मुद्दों पर अमेरिकियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। ट्रंप के भाषण के एक दिन बाद हैरिस ने 'द परनास पर्सपेक्टिव' के होस्ट एरॉन परनास के सबस्टैक शो में कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का भाषण देखा, जो आम परिवारों की वास्तविकताओं से बिल्कुल अलग था। हैरिस ने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि देश की स्थिति मजबूत है। उन्होंने कहा, ''बहुत से लोग बढ़ती कीमतों, महंगी स्वास्थ्य सेवाओं और महंगे आवास के बोझ तले दबे हुए हैं।'' दक्षिणी राज्यों की अपनी हालिया यात्राओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने मिसिसिपी में एक ऐसी मां से मिलने का किस्सा सुनाया, जिसका चार लोगों के लिए साप्ताहिक राशन बजट सिर्फ 150 डॉलर था। हैरिस ने बताया, 'कार्ट में जो कुछ भी था, वह उसके बच्चों के लिए था। मां ने उनसे कहा कि वह 'जो कुछ भी उनके बच्चे नहीं खाएंगे, वह खा लेंगी।' वह बोतलबंद पानी लेने के लिए पैदल चलकर गई। वह नल का पानी नहीं पी सकती, क्योंकि पानी भूरा और जहरीला है। ' हैरिस ने प्रस्तावित खर्च प्राथमिकताओं की भी आलोचना की। उन्होंने पूछा, ''जब आप मेडिकेड में 1 ट्रिलियन डॉलर की कटौती करते हैं, तो कौन शोर मचा रहा है?'' मतदान अधिकारों पर हैरिस ने सेव अधिनियम का कड़ा विरोध किया, जिसे ट्रंप ने कांग्रेस से पारित करने का आग्रह किया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस विधेयक के तहत लोगों को मतदान पंजीकरण के लिए जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा।

सीएम योगी ने जापान की तेज रफ्तार ट्रेन से किया सफर, 501 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का अनुभव साझा किया

एजेंसी

टोक्यो । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर जापान पहुंचे हुए हैं। सीएम योगी ने लोगों के साथ जापानी ट्रेन में 501 किमी/घंटे की रफ्तार से यात्रा की। इसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जापान में ट्रेन के सफर का अनुभव सोशल मीडिया पर शेयर किया। सीएम योगी ने वीडियो में ट्रेन के ऑनबोर्ड स्पीड का डिस्प्ले बोर्ड दिखाया। इसके साथ ही उन्होंने ट्रेन की 501 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पार करते समय तस्वीर भी लीं। हाई स्पीड ट्रेन के सफर का अनुभव अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कर सीएम योगी ने कहा, 'आप देख सकते हैं कि मैं 501 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सफर कर रहा था। यामानाशी में जापान की एडवांस्ड एससीएमएजीएलईवी ट्रेन का अनुभव किया, जो एक नेक्स्ट-

जेनरेशन हाई-स्पीड सिस्टम है जो 500 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार पकड़ता है और साफ, कुशल और सटीक मोबिलिटी के भविष्य को दिखाता है।' सीएम योगी ने जापानी तकनीक की सराहना करते हुए कहा, 'बहुत ज्यादा स्पीड पर भी सफर आसान और काफी स्थिर था, जो इनोवेशन और लंबे समय के इंफ्रास्ट्रक्चर की बेहतरीन गुणवत्ता के लिए जापान की प्रतिबद्धता को दिखाता है। जब तकनीक इस रफ्तार से चलती है, तो भविष्य पहले से कहीं ज्यादा करीब लगता है। ' यूपी सीएम योगी ने माउंट फूजी की तस्वीर भी साझा की और कहा, 'माउंट फूजी, जापान की सबसे ऊंची चोटी और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, जो हमेशा मजबूती, अनुशासन और आध्यात्मिक संतुलन का एक प्रतीक है। जापान की हमेशा रहने वाली सुंदरता और सांस्कृतिक गर्व के प्रतीक, शानदार माउंट फ़ूजी के बैकग्राउंड में, इसे एक चमकदार और धूप वाले दिन देखना मेरा सौभाग्य है। धन्यवाद, जापान! 'इस दौरान यामानाशी में छात्रों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का स्वागत किया। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, 'जापान के यामानाशी में युवा छात्रों से बातचीत की और उनका अपनापन, अनुशासन और खुशी भरा उत्साह देखकर बहुत खुश हुआ।

दिव्यांगों की प्रस्तुति ने जीता पीएम मोदी का दिल, 'आई लव माई इंडिया' बना भारत-इजरायल संबंधों का प्रतीक

एजेंसी

यरूशलम। दो दिवसीय राजकीय दौरे पर इजरायल पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वहां के प्रवासी भारतीयों ने भी हृदय की गहराइयों से स्वागत किया। पीएम के सम्मान में रंगारंग आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से उन क्षणों को साझा करते हुए इसे दोनों देशों के अटूट रिश्ते की खूबसूरती करार दिया। पीएम मोदी ने लिखा, 'केरल के केयरगिवर कम्युनिटी ने तिरुवथिरा की एक शानदार प्रस्तुति देखी। इस परफॉर्मेंस में केरल के सांस्कृतिक परंपराओं की महानता और इसके लिए जुनून रखने वालों का समर्पण दिखा। यह भारत और इजरायल के बीच साझी विरासत और रिश्तों को खूबसूरती से दिखाता है!' एक खास प्रस्तुति दिव्यांग कलाकारों की भी रही, जिसमें भारत की दृष्टिबाधित गायिका दीना सेमटे भी शामिल थीं। इस मनोहर प्रस्तुति को देख पीएम मोदी ने लिखा कि दिव्यांग कलाकारों के एक शानदार ग्रुप ने 'आई लव माई इंडिया' गाने पर एक यादगार परफॉर्मेंस दी, जिसमें भारतीय मूल के यहूदी और इजरायली नागरिक एक साथ आए। ये प्रस्तुतियां पीएम मोदी के सम्मान में बुधवार को उनके होटल परिसर में प्रदर्शित की गईं। बेन गुरियन एयरपोर्ट पर स्वागत कार्यक्रम के बाद, दोनों नेताओं के बीच एक संक्षिप्त व्यक्तिगत बैठक हुई थी। इसके बाद जब प्रधानमंत्री होटल पहुंचे, तो वहां पहले से मौजूद भारतीय प्रवासियों और यहूदी-भारतीय समुदाय के लोगों ने बड़े उत्साह के साथ प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। इस मौके पर भारत और इजरायली कलाकारों ने भी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी, जो दोनों देशों के गहरे रिश्तों का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजरायल दौरे के दूसरे और अंतिम दिन की शुरुआत में प्रधानमंत्रीमोदी ने यरुशलम स्थित होलोकॉस्ट स्मारक 'याद वाशेम' में मारे गए यहूदियों को श्रद्धांजलि। राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग से भी पीएम ने मुलाकात की। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री का रेड कार्पेट पर वेलकम किया। हर्जोग ने इससे पहले अपने एक्स अकाउंट से तैयारियों के खूबसूरत पल भी दिखाए, जिसमें दोनों देशों के झंडे, रेड कार्पेट बिछता देखा जा सकता है।

पाकिस्तान में 'ब्लास्फेमी बिजनेस' का विस्तार, फर्जी डिजिटल सबूतों के सहारे दर्ज हो रहे मामले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में डिजिटल माध्यमों से कथित ईशनिंदा (ब्लास्फेमी) के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। मानवाधिकार संगठनों ने इसे 'ब्लास्फेमी बिजनेस' करार देते हुए कहा है कि फर्जी सबूत, एडिट किए गए स्क्रीनशॉट और झूठे गवाहों के आधार पर लोगों को गंभीर धाराओं में फंसाया जा रहा है। लाहौर उच्च न्यायालय की रावलपिंडी पीठ ने दिसंबर 2025 में एक डिजिटल ईशनिंदा मामले में उम्रकैद या मौत की सजा पाए छह लोगों को बरी कर दिया था। अदालत ने अपने अवलोकन में ऐसे मामलों में बढ़ते दुरुपयोग और अप्रमाणित डिजिटल सामग्री के इस्तेमाल पर चिंता जताई थी। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ऑर्गनाइज्ड हेट की एक की एक रिपोर्ट में शोध निदेशक नियाला मोहम्मद और क्रिश्चियन सॉलिडेरिटी वर्ल्डवाइड से जुड़े सेसिल शेन चौधरी ने लिखा कि अब ईशनिंदा के आरोप 'संगठित जालसाजी' का रूप ले चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, खासतौर पर धार्मिक अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग निशाना बनते हैं, जिन्हें केस रद्द कराने या समझौते के लिए बिचौलियों को भुगतान करने के लिए दबाव डाला जाता है। रिपोर्ट में रावलपिंडी के एक युवक का मामला भी सामने आया, जिसे नौकरी के नाम पर व्हाट्सऐप के जरिए जाल में फंसाया गया। कथित रूप से एक महिला भर्ती अधिकारी बनकर संपर्क करने वाले व्यक्ति ने आपत्तिजनक तस्वीर साझा की।

'पाकिस्तान को आईएमएफ से मिले कर्ज से ज्यादा जम्मू-कश्मीर का विकास बजट', यूएन में भारत ने पाक को दिखाया आईना

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारतीय डिप्लोमैट अनुपमा सिंह ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में जोरदार लताड़ लगाई। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि पाकिस्तान सपनों की दुनिया में है। हमारे जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए बजट पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष बेलआउट से भी बड़ा है। ऐसा पहली बार नहीं है जब वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर को लेकर अपने राग अलाप रहा हो। अक्सर पाकिस्तान एक ही मुद्दे को लेकर भारत पर निशाना साधने की कोशिश करता है। ताजा मामले में जब पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का राग अलापा, तो यूएन के मंच पर भारतीय राजनयिक अनुपमा सिंह ने जमकर क्लास लगाई। पाकिस्तान को जवाब देते हुए अनुपमा सिंह ने कहा, 'भारत, पाकिस्तान और ओआईसी की हाई-लेवल मीटिंग में भारत के बारे में कही गई बातों के जवाब में अपने जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर है। हम इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। ओआईसी, पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा को दोहराकर, सिर्फ यह दिखाता है कि उसने खुद को एक सदस्य के कब्जे में कितना गहराई से आने दिया है और खुद को एक देश की राजनीतिक मजबूरियों के लिए एक ईगो चैंबर बना लिया है। पाकिस्तान के लगातार प्रोपेगेंडा से अब जलन की बू आ रही है। '

भारतीय अधिकारी ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए कहा, 'शायद पाकिस्तान को यह यकीन नहीं हो रहा कि जम्मू-कश्मीर का विकास बजट आईएमएफ से मांगे गए हालिया बेलआउट पैकेज से दोगुने से भी ज्यादा है। आखिर में, पाकिस्तान की लगातार स्टेट-स्पॉन्सर्ड टेररिज्म के जरिए इलाके को अस्थिर करने की

कोशिशों के बावजूद, जम्मू-कश्मीर राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक तौर पर आगे बढ़ रहा है। पाकिस्तान के लिए अच्छा होगा कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म पर दिखावा करने के बजाय अपने बढ़ते अंदरूनी संकट को ठीक करने पर ध्यान दे। दुनिया जरूर उसके दिखावे को समझ सकती है। ' पाकिस्तान को मुहतोड़ जवाब देते हुए अनुपमा सिंह ने कहा, 'हम ऐसे प्रोपेगेंडा को बढ़ावा नहीं देना चाहते, लेकिन हम इसे फैक्ट्स के साथ खत्म करने के लिए कुछ बातें जरूर कहेंगे। जम्मू और कश्मीर भारत का एक जरूरी और अटूट हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान की कोई भी मनगढ़ंत बातें या प्रोपेगेंडा इस पक्की बात को नहीं बदल सकता कि जम्मू-कश्मीर का भारत में शामिल होना पूरी तरह से वैध और पक्का था और यह भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 और अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक था। 'पीओके को लेकर पाकिस्तान पर पलटवार करते हुए भारतीय अधिकारी ने कहा, 'इस इलाके से जुड़ा एकमात्र विवाद पाकिस्तान का भारतीय इलाकों पर गैर-कानूनी कब्जा है। हम पाकिस्तान से इन इलाकों को खाली करने की अपील करते हैं, जिन पर उसने जबरदस्ती कब्जा किया हुआ है। ऐसे देश से लोकतंत्र पर भाषण सुनना वाकई मुश्किल है, जहां की सरकारें शायद ही कभी अपना कार्यकाल पूरा करती हैं। ' उन्होंने कहा, 'ये बातें खोखली लगती हैं। जम्मू-कश्मीर में आम चुनाव और विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड वोटिंग इस बात का सबूत है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान की फैलाई आतंकवाद और हिंसा की सोच को नकार दिया है और विकास और लोकतंत्र के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। पिछले साल जम्मू-कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे पुल चिनाब रेल ब्रिज की शुरुआत हुई है। यह दिखाता है कि पाकिस्तान जरूर भ्रम में है। '

page 1 and 8 Feb 28_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/27/2026 10:50 PM Page 2

स्थानीय समाचार

कठुआ में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मनोरंजन एवं मेडिकल कैंप, 100 ट्रैकसूट व छाते वितरित

कठुआ, 27 फरवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ ने समाज कल्याण विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय कार्य योजना वरिष्ठ नागरिकों के तहत गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन कठुआ में एक दिवसीय मनोरंजन व मेडिकल कैंप का आयोजन किया। कार्यक्रम में विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण मुख्य अतिथि तथा उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ जिसमें कॉलेज प्राचार्य, डीएसडब्ल्यूओ वरुण चैधरी, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि और उपायुक्त द्वारा 100 वरिष्ठ नागरिकों को ट्रैकसूट और 100 छाते वितरित किए गए। साथ ही बुजुर्गों के मनोरंजन के लिए फिल्म शो भी आयोजित किया गया। कैंप के दौरान आईएसएम/आयुष विभाग की टीम ने स्वास्थ्य जांच कर वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित कीं। विधायक डॉ. भारत भूषण ने जिला प्रशासन के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की, जबकि उपायुक्त राजेश शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए जिले के अन्य उपमंडलों में भी ऐसे कैंप आयोजित किए जा रहे हैं और समाज को बुजुर्गों की देखभाल के लिए आगे आना चाहिए

मुगल रोड यातायात के लिए फिर से खुला

शोपियां, 27 फ़रवरी (हि.स.)। एतिहासिक मुगल रोड हाल ही में हुई बर्फबारी के कारण बंद रहने के बाद शुक्रवार को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया। हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) को इस मार्ग पर सुचारू रूप से चलने की अनुमति दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां को जम्मू क्षेत्र के पुंछ से जोड़ने वाली इस रणनीतिक सड़क को संबंधित एजेंसियों द्वारा किए गए बर्फ हटाने के अभियान के बाद खोला गया। पीर पंजाल पर्वतमाला के कई संवेदनशील स्थानों पर बर्फ जमा होने के कारण इस सप्ताह की शुरुआत में सड़क अस्थायी रूप से यातायात के लिए अनुपयुक्त हो गई थी। सड़क की स्थिति का जायजा लेने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के बाद अधिकारियों ने इस मार्ग पर हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) की आवाजाही की अनुमति दी। यातायात अधिकारियों ने पुष्टि की कि वाहन बिना किसी रुकावट के चल रहे थे और खुलने के बाद शुरुआती घंटों में कोई बड़ी जाम की समस्या नहीं देखी गई।

मुगल रोड कश्मीर घाटी और जम्मू डिवीजन के बीच एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य करता है और पीर की गली जैसे उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के कारण सर्दियों के महीनों में अक्सर बंद हो जाता है। अधिकारियों ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे पहाड़ी मार्ग पर यात्रा करते समय यातायात निर्देशों का पालन करें और सुरक्षा दिशानिर्देशों का अनुपालन करें।

पुंछ में नियंत्रण रेखा पर ड्रोन गतिविधि देखी गई, सैनिकों ने की गोलीबारी

पुंछ, 27 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू कश्मीर में पुंछ सेक्टर के गुलपुर गांव के ऊपर नियंत्रण रेखा के पास शुक्रवार सुबह एक संदिग्ध ड्रोन गतिविधि देखी गई।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सुरक्षा बलों ने नियमित निगरानी के दौरान नियंत्रण रेखा के पास एक ड्रोन को उड़ते देखा और उसे निष्क्रिय करने के प्रयास में लगभग 15 से 20 गोलियां दागीं। हालांकि, ड्रोन को गिराया नहीं जा सका।

सूत्रों ने बताया कि ड्रोन बाद में सिरियां गांव की ओर बढ़ा और फिर कथित तौर पर नियंत्रण रेखा के पार चला गया।

इस बीच सुरक्षा बलों ने इस पूरे इलाके में नियंत्रण रेखा पर निगरानी बढ़ा दी है। हालांकि यह पता नहीं चला है कि ड्रोन में कैमरा लगा था या फिर कोई सामान गिराया गया है। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

रणजी ट्रॉफी 2025-26- औकिब नबी रिकॉर्ड के साथ चमके, जम्मू-कश्मीर मजबूती से नियंत्रण में

श्रीनगर, 27 फरवरी(हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने अपने सनसनीखेज रणजी ट्रॉफी 2025-26 अभियान को जारी रखते हुए इस सीजन में पांच विकेट लेकर 60 विकेट तक पहुंच गए और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उग्र स्पैल ने न केवल जम्मू-कश्मीर को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचाया, बल्कि औकिब को विकेट चार्ट के शीर्ष पर प्रतिस्पर्धा में छलांग लगाने में भी मदद की जो हाल के घरेलू इतिहास में सबसे प्रभावशाली गेंदबाजी सत्रों में से एक रहा है।

इस नवीनतम पांच विकेट के साथ दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अब मौजूदा रणजी ट्रॉफी के सबसे सफल गेंदबाज के रूप में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। विभिन्न चरणों में उनकी निरंतरता, नई गेंद से प्रहार करने की क्षमता और शीर्ष, मध्य क्रम को ध्वस्त करने की क्षमता ने उन्हें जम्मू-कश्मीर आक्रमण का निर्विवाद अगुआ बना दिया है। औकिब के आंकड़े एक गेंदबाज की चरम लय में चलने, निरंतर सटीकता, तेज गति और बड़े क्षणों में अच्छा प्रदर्शन करने के स्वभाव की कहानी बताते हैं। मैच दर मैच, उन्होंने शुरुआती सफलताएं और निर्णायक स्पैल प्रदान किए हैं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के ऐतिहासिक अभियान को आकार दिया है

चार्ट पर दूसरे स्थान पर रहने से लेकर अब 60 विकेट के साथ सबसे आगे रहने तक, इस सीज़न में औकिब का उदय धीरज और विकास दोनों को दर्शाता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उच्च सम्मान के लिए उनके दावे को मजबूत करता है। इस परिमाण के प्रदर्शन के साथ जम्मू-कश्मीर विकेट लेने वाली मशीन卐 राष्ट्रीय चयन के लिए एक आकर्षक तर्क दे रही है। शुक्रवार को चौथे दिन कर्नाटक को 293 रन पर समेटने के बाद जम्मू-कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी एलीट 2025-26 फाइनल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, पहली पारी में 291 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है और खुद को खिताबी मुकाबले की कमान में मजबूती से स्थापित कर लिया है।

स्कूल परिसर में दुर्व्यवहार और नशे की हालत में पाए जाने के आरोप में एक शिक्षक निलंबित

राजौरी, 27 फ़रवरी (हि.स.)। राजौरी के मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने सरकारी प्राथमिक विद्यालय लांझर, जोन मुग़ला में तैनात तृतीय श्रेणी के एक शिक्षक को दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और कर्तव्य में लापरवाही के गंभीर आरोपों के मद्देनजर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

एक आधिकारिक आदेश के अनुसार यह कार्रवाई जोनल शिक्षा अधिकारी (जेडईओ) मुग़ला की रिपोर्ट के बाद की गई जिसमें कहा गया है कि 18 फरवरी, 2026 को किए गए निरीक्षण के दौरान शिक्षक स्कूल परिसर में कार्य समय के दौरान नशे की हालत में पाए गए जिससे शैक्षणिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। आदेश में आगे उल्लेख किया गया है कि शिक्षक को पहले भी ड्यूटी से अनुपस्थिति और स्कूल समय के दौरान शराब के सेवन के संबंध में स्पष्टीकरण मांगने के लिए नोटिस जारी किया गया था। हालांकि अधिकारियों ने आचरण में कोई संतोषजनक सुधार नहीं देखा।

घिया (लौकी) एक कद्दूवर्गीय महत्वपूर्ण सब्जी

By: Bhupender, Dainik Jagriti

सब्जियों में घिया (लौकी) एक कद्दूवर्गीय महत्वपूर्ण सब्जी है। घिया (लौकी) की खेती से प्राप्त फल को विभिन्न प्रकार के व्यंजन जैसे- रायता, कोफ्ता, हलवा, खीर इत्यादि बनाने के लिए प्रयोग करते हैं। यह कब्ज को कम करने, पेट को साफ करने, खाँसी या बलगम दूर करने में अत्यन्त लाभकारी है । इसके मुलायम फलों में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खाद्य रेशा, खनिज लवण के अलावा प्रचुर मात्रा में अनेकों विटामिन पाये जाते हैं। लौकी की खेती पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर दक्षिण भारत के राज्यों तक विस्तृत रूप में की जाती है।

निर्यात की दृष्टि से सब्जियों में घिया (लौकी) अत्यन्त महत्वपूर्ण है। किसानों को चाहिए की वो इसकी परम्परागत तरीके से खेती न करके वैज्ञानिक तकनीकी से खेती करें। जिससे उनको अधिकतम पैदावार प्राप्त हो सके। इस लेख में घिया (लौकी) की वैज्ञानिक तकनीक से खेती कैसे करें का उल्लेख किया गया है।

घिया (लौकी) की अच्छी उपज के लिए गर्म और मध्यम आर्द्रता वाले भौगोलिक क्षेत्र सर्वोत्तम होते हैं। इसलिए इसकी फसल जायद तथा खरीफ दोनों ऋतुओं में सफलतापूर्वक उगायी जा सकती है। बीज अंकुरण के लिए 30 से 35 डिग्री सेन्टीग्रेड तथा पौधों की बढ़वार के लिए 32 से 38 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान उत्तम होता है।

बलुई दोमट और जीवांश युक्त चिकनी मिट्टी जिसमें जल धारण क्षमता अधिक तथा पी एच मान 6.0 से 7.0 हो घिया (लौकी) की खेती के लिए उपयुक्त होती है। पथरीली या ऐसी भूमि जहाँ पानी खड़ा होता हो तथा जल निकास का अच्छा प्रबन्ध न हो इसकी खेती के लिए अच्छी नहीं होती है।

▶▶ उन्नत किस्में

कृषकों को किस्मों के चयन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। घिया (लौकी) की दो प्रकार की एक लम्बी बेलनाकार और दूसरी गोल गोलाकार प्रकार की किस्में होती है। कुछ उन्नत और संकर किस्मों का वर्णन इस प्रकार है, जैसे-

काशी गंगा- इस किस्म के पौधे मध्यम बढ़वार वाले और तनों पर गाँठे कम दूरी पर विकसित होती हैं। फल मध्यम लम्बा 30.0 सेंटीमीटर व फल का व्यास कम 6.90 सेंटीमीटर होता है। प्रत्येक फल का औसत भार 800 से 900 ग्राम होता है। गर्मी के मौसम में 50 दिनों बाद तथा बरसात में 55 दिनों बाद फलों की प्रथम तुड़ाई की जा सकती है। इस घिया (लौकी) प्रजाति की औसत उत्पादन क्षमता 44 टन प्रति हेक्टेयर है।

काशी बहार- इस संकर किस्म में फल पौधे के प्रारम्भिक गाँठों से बनने प्रारम्भ होते हैं। फल हल्के हरे, सीधे, 30 से 32 सेंटीमीटर लम्बे 780 से 850 ग्राम वजन वाले और 7.89 सेंटीमीटर व्यास वाले होते हैं। इसकी औसत पैदावार 52 टन प्रति हेक्टेयर है। गर्मी तथा बरसात दोनों ऋतुओं के लिए उपयुक्त किस्म है। यह किस्म नदियों के किनारे उगाने के लिए भी उपयुक्त है।

पूसा नवीन- इस किस्म के फल बेलनाकार, सीधे तथा लगभग 550 ग्राम के होते हैं। घिया (लौकी) इस किस्म की उत्पादन क्षमता 35 से 40 टन प्रति हेक्टेयर है।

अर्को बहार- इस घिया (लौकी) किस्म के फल सीधे, मध्यम आकार के लगभग 1 किलोग्राम वजन के होते हैं। फल हल्के हरे रंग के होते हैं, इसकी उत्पादन क्षमता 40 से 50 टन प्रति हेक्टेयर है।

नरेन्द्र रश्मि- फल हल्के हरे तथा छोटे-छोटे होते हैं। फलों का औसतन वजन 1 किलोग्राम होता है। इस किस्म की औसत पैदावार 30 टन प्रति हेक्टेयर है। पौधों पर चूर्णिल व मृदुरोमिल आसिता का प्रकोप कम होता है।

पूसा सन्देश- पौधे मध्यम लम्बाई के और गाँठों पर शाखाएं कम दूरी पर विकसित होती हैं। फल गोलाकार, मध्यम आकार के वे लगभग 600 ग्राम वजन के होते हैं। बरसात वाली फसल 55 से 60 दिनों व गर्मी वाली फसल 60 से 65 दिनों बाद फल की प्रथम तुड़ाई की जा सकती है। औसत पैदावार 32 टन प्रति हेक्टेयर है।

पूसा समर प्रोलिफिक राउंड- इसके फल गोलाकार हरे रंग के होते है। इसकी पैदावार 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

पूसा कोमल- इसके फल लम्बे होते है। यह घिया (लौकी) की अगेती किस्म है, 70 दिन में फल तोड़ने लायक हो जाते है। इसकी पैदावार 450 से 500 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

पूसा हाइब्रिड 3- यह घिया (लौकी) की अगेती संकर किस्म है। इसके फल लम्बे गोल होते है। यह पैदावार के लिए अच्छी किस्म है।

उत्तरा- घिया (लौकी) की इस किस्म के फल 55 से 60 दिन में तोड़ने योग्य हो जाते है। फल लम्बे और एक समान होते है।

इनके अतिरिक्त भी घिया (लौकी) की अन्य किस्में है, जैसे- स्वाती, लद्दू न- 17, पूसा संतुष्टि, प्रोलिफिक लोंग, पंजाब राउंड, पंजाब कोमल, पूसा मंजरी, पूसा मेघदूत कल्याणपुर हरी लम्बी, आजाद हरित और आजाद नूतन प्रमुख है।

▶▶ खाद और उर्वरक

घिया (लौकी) की फसल के लिए जुताई के समय 200 से 250 क्विंटल गोबर की गली सड़ी खाद डालनी चाहिए। साथ में अच्छी पैदावार के लिए पोषण के रूप में 50 से 70 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर की दर से देनी चाहिए।

नत्रजन की आधी मात्रा, फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय देना चाहिए। बची हुई नत्रजन की आधी मात्रा दो समान भागों में बाँटकर 4 से 5 पत्ती की अवस्था तथा शेष आधी मात्रा पौधों में फूल बनने के पहले टाप ड्रेसिंग के रूप में देनी चाहिए।

बीज की मात्रा

घिया (लौकी) की सीधी बीज बुआई के लिए 2.5 से 3 किलोग्राम बीज एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए पर्याप्त होता है, परन्तु पालीथीन के थैलों या

नियंत्रित वातावरण युक्त गृहों में (प्रो ट्रे) नर्सरी उत्पादन करने के लिए 1 किलोग्राम बीज ही पर्याप्त होता है।

घिया (लौकी) की बुआई ग्रीष्म ऋतु (जायद) में 15 से 25 फरवरी तक और वर्षा ऋतु (खरीफ) में 15 जून से 15 जुलाई तक कर सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में बुआई मार्च से अप्रैल के महीने में की जाती है।

घिया (लौकी) की खरीफ ऋतु में खेत की सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं होती है। परन्तु वर्षा न होने पर 10 से 15 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। अधिक वर्षा की स्थिति में जल के निकास के लिए नालियों का गहरा व चौड़ा होना आवश्यक है। गर्मियों में अधिक तापमान होने के कारण 4 से 5 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

घिया (लौकी) की दोनों ऋतु की फसल में सिंचाई के बाद खेत में काफी मात्रा में खरपतवार उग आते हैं। इसलिए उनको किसी कृषि यंत्र की सहायता से 25 से 30 दिनों तक निकाई करके खरपतवार निकालते रहना चाहिए। लौकी में पौधों की अच्छी वृद्धि और विकास के लिए 2 से 3 बार निकाई-गुड़ाई करके जड़ों के पास हल्की मिट्टी चढ़ा देना चाहिए। रासायनिक खरपतवारनाशी के रूप में ब्यूटाक्लोर रसायन की 2 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बीज बुआई के तुरन्त बाद छिड़काव करना चाहिए।

वर्षा ऋतु में घिया (लौकी) की अधिक उपज प्राप्त करने के लिए लकड़ी या लोहे के द्वारा निर्मित मचान पर चढ़ा कर खेती करनी चाहिए। इससे फलों का आकार सीधा एवं रंग अच्छा रहता है और बढ़वार भी तेजी से होती है। प्रारम्भिक अवस्था में निकलने वाली कुछ शाखाओं को काटकर निकाल देना चाहिए, इससे ऊपर विकसित होने वाली शाखाओं में फल ज्यादा बनते हैं। आमतौर पर मचान की ऊँचाई 5.0 से 5.5 फीट तक रखते हैं। इस पद्धति के उपयोग से सस्य क्रिया सम्बन्धित लागत कम हो जाती है।

▶▶ कीट एवं रोकथाम

कद्दू का लाल कीट (रेड पम्पकिन बिटिल)- इस कीट का वयस्क चमकीली नारंगी रंग का होता हैं और सिर, वक्ष एवं उदर का निचला भाग काला होता है। सूण्ड़ी जमीन के अन्दर पायी जाती है। इसकी सूण्डी व वयस्क दोनों क्षति पहुँचाते हैं। प्रौढ़ पौधों की छोटी पत्तियों पर ज्यादा क्षति पहुँचाते हैं। ग्रब इल्ली मिटटी में रहती है, जो पौधों की जड़ पर आक्रमण कर हानि पहुँचाती है।

ये कीट जनवरी से मार्च के महीनों में सबसे अधिक सक्रिय होते है। अक्टूबर तक खेत में इनका प्रकोप ज्यादा रहता है। नये और छोटे पौधे आक्रमण के कारण मर जाते हैं। फसलों के बीजपत्र एवं 4 से 5 पत्ती अवस्था इन कीटों के आक्रमण के लिए सबसे अनुकूल है। प्रौढ़ कीट विशेषकर मुलायम पत्तियाँ अधिक पसन्द करते है। अधिक आक्रमण होने से पौधे पत्ती रहित हो जाते है। रोकथाम- सुबह ओस पड़ने के समय राख का बुरकाव करने से भी प्रौढ़ पौधा पर नहीं बैठता जिससे नुकसान कम होता है। जैविक विधि से नियंत्रण के लिए अजादीरैक्टिन 300 पी पी एम 5 से 10 मिलीलीटर प्रति लीटर या अजादीरैक्टिन 5 प्रतिशत 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से दो या तीन छिड़काव करने से लाभ होता है। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर कीटनाशी जैसे डाईक्लोरोवास 76 ई सी 1.25 मिलीलीटर प्रति लीटर या ट्राइक्लोफेरान 50 ई सी 1 मिलीलीटर प्रति लीटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से 10 दिनों के अन्तराल पर पर्णीय छिड़काव करें।

फल मक्खी- इस कीट की सूण्डी अधिक हानिकारक होती है। प्रौढ़ मक्खी गहरे भूरे रंग की होती है, इसके सिर पर काले और सफेद धब्बे पाये जाते हैं। प्रौढ़ मादा छोटे, मुलायम फलों के छिलके के अन्दर अण्डा देना पसन्द करती है, और अण्डे से सूड़ी (ग्रब्स) निकलकर फलों के अन्दर का भाग खाकर नष्ट कर देते हैं। कीट फल के जिस भाग पर अण्डा देती है, वह भाग वहाँ से टेढ़ा होकर सड़ जाता है तथा नीचे गिर जाता है।

रोकथाम- गर्मी की गहरी जुताई या पौधे के आस पास खुदाई करें, ताकि मिट्टी की निचली परत खुल जाए जिससे फल मक्खी का प्यूपा धूप द्वारा नष्ट हो जाये या शिकारी पक्षियों के खाने से नष्ट हो, जो भी ग्रसित फल हो इकट्ठा करके नष्ट कर देना चाहिए। नर फल मक्खी को नष्ट करने के लिए प्लास्टिक की बोतलों में इथेनाल, कीटनाशक (डाईक्लोरोवास या कार्बारिल या मैलाथियान), क्यूल्यूर को 6:1:2 के अनुपात के घोल में लकड़ी के टूकड़े को डुबोकर, 25 से 30 फंदा खेत में विभिन्न स्थानों पर स्थापित कर देना चाहिए। कार्बारिल 50 डब्ल्यू पी 2 ग्राम प्रति लीटर या मैलाथियान 50 ई सी 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी को लेकर 10 प्रतिशत शीरा या गुड़ में मिलाकर जहरीले चारे को 250 जगहों पर प्रति हेक्टेयर खेत में उपयोग करना चाहिए। प्रतिकर्षी 4 प्रतिशत नीम की खली का प्रयोग करें, जिससे जहरीले चारे की ट्रैपिंग की क्षमता बढ़ जाये। आवश्यकतानुसार कीटनाशी जैसे क्लोरेंट्रानीलीप्रोल 18.5 एस सी 0.25 मिलीलीटर प्रति लीटर या डाईक्लारोवास 76 ई सी 1.25 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से भी छिड़काव कर सकते हैं।

सौर ऊर्जा के महत्व

By : Ankita

भारत एक तेजी से उभरने वाली अर्थव्यवस्था हैं, जिसमें 100 करोड़ से भी ज्यादा लोग शामिल हैं और जिन्हें ऊर्जा की बड़ी मात्रा में आवश्यकता हैं. जिसकी पूर्ति भारत सरकार द्वारा विभिन्न नविनीकरणीय और अनविनीकरणीय संसाधनों का उपयोग करके की जा रही हैं. हमारा देश बिजली को उत्पन्न करने एवं उसकी खपत करने में विश्व में पांचवे स्थान पर हैं. हमारे देश में बिजली का उत्पादन हर साल बढ़ रहा हैं, पर हम इस बात से भी इंकार नहीं कर सकते कि जनसंख्या भी साथ में बढ़ रही हैं.

देश में बिजली का 53% उत्पादन कोयले से किया जाता हैं और ऐसा अनुमान लगाया जाता हैं कि वर्ष 2040 – 2050 तक ये भी समाप्त हो जाएगा. भारत की 72% से अधिक जनता गाँवों में निवास करती हैं और इसमें से आधे गाँव बिना बिजली के ही अपना जीवन यापन कर रहे हैं. अब भारत ऐसी स्थिति में आ गया हैं कि अब हम ऊर्जा के अधिकाधिक उत्पादन के लिए, ऊर्जा के संरक्षण के क्षेत्र में, उसके नविनीकरण एवं बचाव के लिए कदम उठाए. इस मांग को पूर्ण करने हेतु सौर ऊर्जा का उपयोग सर्वोत्तम उपाय हैं, जिससे हम ऊर्जा की मांग एवं पूर्ति के बीच सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं.

▶▶ सौर उर्जा क्या है

सामान्य भाषा में सौर ऊर्जा से तात्पर्य सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊर्जा से हैं. सूर्य की किरणों को एक बिंदु पर एकत्रित करके जब ऊर्जा उत्पन्न की जाती हैं, तो ये प्रक्रिया सौर ऊर्जा उत्पादन कहलाती हैं. सौर ऊर्जा अर्थात् सूर्य की किरणों को विद्युत में बदलना, चाहे वह पी. वी. द्वारा प्रत्यक्ष रूप से हो या सी. एस. पी. द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से. सी. एस. पी. में सौर ऊर्जा उत्पन्न करने हेतु लेंस अथवा दर्पणों और ट्रेकिंग उपकरणों का उपयोग किया जाता हैं और सूर्य प्रकाश के एक बहुत बड़े भाग को एक छोटी सी किरण पर एकत्रित किया जाता हैं. सोलर पॉवर प्लांट इसी तरह कार्य करते हैं.

भारत एक उष्ण – कटिबंधीय देश हैं, जिसके अनेक लाभों में से एक लाभ हमे सूर्य प्रकाश के रूप में भी प्राप्त होता हैं. उष्ण – कटिबंधीय देश होने के कारण हमारे यहाँ वर्ष भर सौर विकिरण प्राप्त की जाती हैं, जिसमें सूर्य प्रकाश के लगभग 3000 घंटे शामिल हैं, जो कि 5000 ट्रिलियन kWh के बराबर हैं. भारत के लगभग सारे क्षेत्रों में 4 – 7 kWh प्रति वर्ग – मीटर के बराबर हैं, जो कि 2300 – 3200 सूर्य प्रकाश के घंटे प्रति वर्ष के बराबर हैं. चूँकि भारत की अधिकांश जनता ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती हैं , अत: वहाँ सौर ऊर्जा की उपयोगिता बहुत हैं. साथ ही विकास की भी संभावनाएँ हैं और अगर सौर ऊर्जा का उपयोग प्रारंभ होता हैं, तो वहाँ घरेलू कामों में कंडों एवं लकड़ियों का प्रयोग होने में भी कमी आएगी. जिससे वायु प्रदुषण भी नहीं होगा.

भारत में सौर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए विशाल कार्यक्षेत्र उपलब्ध हैं क्योकिं भारत की भूस्थली ऐसे स्थान पर हैं, जहाँ सूर्य प्रकाश पर्याप्त मात्रा में पहुँचता हैं. पृथ्वी की सतह पर प्रति वर्ष पहुँचने वाले सूर्य प्रकाश की मात्रा अत्याधिक हैं. पृथ्वी पर अनेक अनविनीकरणीय पदार्थों, जैसे: कोयले, तेल, प्राकृतिक गैस एवं अन्य खनन द्वारा प्राप्त यूरेनियम पदार्थों का एक वर्ष में जितना उपभोग होता हैं, उसके दोगुने से भी ज्यादा हर वर्ष सूर्य प्रकाश धरती पर पहुंचता हैं और व्यर्थ हो जाता हैं.

▶▶ सौर ऊर्जा तकनीक

सौर ऊर्जा, सौर विकिरणों एवं सूर्य के ताप के प्रयोग द्वारा एक विकसित तकनीक हैं. इसके और भी रूप हैं, जैसे – सौर ताप, सौर विकिरण और कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण, आदि.

▶▶ भारत में सौर ऊर्जा से होने वाले लाभ

सौर ऊर्जा से होने वाले फायदों के कारण यह और भी अधिक उचित प्रतीत होता हैं. इसमें से होने वाले कुछ लाभ निम्न – लिखित हैं –

सौर ऊर्जा कभी खत्म न होने वाला संसाधन हैं और यह अनविनीकरणीय संसाधनों का सर्वोत्तम प्रतिस्थापन हैं.

सौर ऊर्जा वातावरण के लिए भी लाभकारी हैं. जब इसे उपयोग किया जाता है, तो यह वातावरण में कार्बन – डाई – ऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैस नहीं छोड़ती, तो वातावरण प्रदूषित नहीं होता.

सौर ऊर्जा अनेक उद्देश्यों हेतु प्रयोग की जाती हैं , जैसे –ऽ उष्णता के लिए, सुखाने के लिए, भोजन पकाने में और बिजली के रूप में, आदि. सौर ऊर्जा का उपयोग कार में, हवाई जहाज में, बड़ी नावों में, उपग्रहों में, केल्कुलेटर में और अन्य उपकरणों में भी इसका प्रयोग किया जाना उपयुक्त हैं.

चूँकि सौर ऊर्जा एक अनविनीकरणीय ऊर्जा संसाधन हैं. अत: भारत जैसे देशों में जहाँ ऊर्जा का उत्पादन महँगा पड़ता हैं, तो वहाँ ये संसाधन इसका बेहतरीन विकल्प हैं.

सौर ऊर्जा उपकरण किसी भी स्थान पर स्थापित किया जा सकता हैं. यहाँ तक कि ये घर में भी स्थापित किया जा सकता हैं, क्योंकिं यह ऊर्जा के अन्य संसाधनों की तुलना में यह सस्ता भी पड़ता हैं.

▶▶ भारत में सौर ऊर्जा से होने वाली हानियाँ

हम रात को सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन का कार्य नहीं कर सकते हैं.

साथ ही दिन में भी जब बारिश का मौसम हो या बादल हो तो सौर ऊर्जा के द्वारा बिजली उत्पादन का कार्य नहीं किया जा सकता. इस कारण हम सौर ऊर्जा पर पूरी तरह से भरोसा नहीं कर सकते.

केवल वही क्षेत्र सौर ऊर्जा उत्पादन करने में सक्षम हो सकते हैं, जहाँ पर्याप्त मात्रा सूर्य प्रकाश आता हो.

सौर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए हमे सौर उपकरणों के अलावा इन्वर्टर तथा इसके संग्रहण के लिए बैटरी की आवश्यकता होती हैं। वैसे तो सौर उपकरण सस्ते होते हैं, परन्तु साथ में उपयोगी इन्वर्टर और बैटरी इसे महंगा बना देते हैं।

उपकरण आकार में बड़े होते हैं, अत: इन्हें स्थापित करने हेतु बड़े क्षेत्रफल की भूमि की जरुरत होती हैं और एक बार यदि ये उपकरण लग जाये तो वह भू – भाग लम्बे समय के लिए इसी उद्देश्य में काम में लिया जाता हैं और इसका उपयोग किसी और कार्य में नहीं किया जा सकता.

इस प्रकार उत्पन्न होने वाली ऊर्जा की मात्रा अन्य संसाधनों की तुलना में बहुत ही कम होती हैं, जो हमारी आवश्यकताओ को पूरा करने में असमर्थ हैं।